Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2023-25

www.dainikvishwapariwar.com

रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 112 ● वर्ष : 14 ● रायपुर, मंगलवार 03 नवम्बर 2026 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार



आज लोकतंत्र को सम्हालने वालों का तैयार करने वालों की आवश्यकता है जो इस भारत के लोकतंत्र को सही दिशा प्रदान कर सकें।

Today we need such people who can prepare defenders of democracy who in turn can give right derection to Indian democracy.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

अमित शाह आज राज्योत्सव में जारी करेंगे महतारी वंदन योजना की किस्त



फाईल फोटो

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और उनकी आत्मनिर्भरता को सुनिश्चित करने की दिशा में चलाई जा रही महत्वाकांक्षी महतारी वंदन योजना के तहत प्रदेश की माताओं-बहनों को एक और बड़ी सौगात मिलने जा रही है। आगामी दीपावली के पावन पर्व से ठीक पहले योजना की नवंबर माह की 33वीं किस्त का अंतरण कल यानी 3 नवंबर 2026 को राज्योत्सव समारोह के दौरान किया जाएगा।

गृह मंत्री श्री अमित शाह करेंगे राशि का अंतरण

राज्योत्सव समारोह के मुख्य मंच से भारत सरकार के गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह के मुख्य आतिथ्य तथा मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में यह कार्यक्रम आयोजित होगा। इस दौरान प्रदेश की 67 लाख 40 हजार 410 पात्र महिलाओं के बैंक खातों में डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के माध्यम से कुल 632 करोड़ 63 लाख 67 हजार 750 रुपये की राशि सीधे अंतरित की जाएगी। त्योहार से पहले खाते में राशि आने से महिलाओं और उनके परिवारों में भारी उत्साह और उमंग का माहौल है।

इन महिलाओं के खातों में पहुंचेगी राशि

ई-केवाईसी पूर्ण करा चुकीं प्रदेशभर की 67 लाख 33 हजार 502 महिला हितग्राही लाभान्वित होंगी। नियद नेल्ला नार कैंप क्षेत्र की 6,908 महिलाओं को उनकी 13वीं किस्त की राशि प्रदान की जाएगी। इस प्रकार कुल 67 लाख 40 हजार 410 महिलाओं को इस चरण में लाभ मिलेगा।

योजना के सफर पर एक नजर

छत्तीसगढ़ में 1 मार्च 2024 से लागू इस योजना के तहत पहली किश्त 10 मार्च 2024 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के करकमलों से प्रदान की गई थी। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में अब तक 32 किस्तों के माध्यम से महिलाओं को कुल 20 हजार 717.87 करोड़ रुपये की सहायता दी जा चुकी है। 33वीं किस्त के जुड़ने के बाद यह कुल आंकड़ा बढ़कर 21 हजार 350.50 करोड़ रुपये हो जाएगा।

छत्तीसगढ़ शासन की इस निरंतर वित्तीय सहायता से प्रदेश की महिलाएं अपनी छोटी-छोटी जरूरतों को पूरा करने के साथ-साथ परिवार की आर्थिक गतिविधियों में भी सक्रिय योगदान दे रही हैं। हितग्राही महिलाएं भुगतान की स्थिति व अन्य जानकारी आधिकारिक पोर्टल mahtarivandan.cgstate.gov.in तथा प्ले स्टोर पर उपलब्ध मोबाइल ऐप के माध्यम से प्राप्त कर सकती हैं।

महादेव सट्टा: सौरभ चंद्राकर को रायपुर लाएगी सीबीआई



रायपुर (विश्व परिवार)। 6 हजार करोड़ के महादेव ऑनलाइन सट्टा ऐप मामले के मुख्य आरोपी और प्रमोटर सौरभ चंद्राकर को सीबीआई ओमान से प्रत्यर्पण के बाद भारत लेकर आई है। सोमवार को उसे दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने 2 दिन की ट्रांजिट रिमांड पर सीबाआई को सौंपने का आदेश दिया है। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश निखिल चोपड़ा ने यह आदेश दिया।

प्रधानमंत्री ने किया भारत नवीकरणीय ऊर्जा शिखर सम्मेलन का शुभारंभ



नई दिल्ली। नई दिल्ली के भारत मंडपम में आज आयोजित भारत नवीकरणीय ऊर्जा शिखर सम्मेलन एवं एक्सपो 2026 में छत्तीसगढ़ ने ऊर्जा क्षेत्र में निवेश की व्यापक संभावनाओं और भविष्य की अपनी योजनाओं को प्रमुखता से प्रस्तुत किया। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने चार दिवसीय इस वैश्विक सम्मेलन का शुभारंभ किया। सम्मेलन के दौरान मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने केंद्रीय मंत्रियों और विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों की उपस्थिति में आयोजित उच्चस्तरीय गोलमेज बैठक में भाग लिया। उन्होंने अगले पांच वर्षों में छत्तीसगढ़ के ऊर्जा क्षेत्र में लगभग 5.60 लाख करोड़ रुपए के निवेश की संभावनाओं की जानकारी देते हुए देश-विदेश के निवेशकों और उद्योग जगत के प्रतिनिधियों को प्रदेश में निवेश के लिए आमंत्रित किया।

छत्तीसगढ़ राज्योत्सव 2026 के राज्य अलंकरण समारोह में इस बार 3 नए सम्मान दिए जाएंगे

- राज्योत्सव में 3 नए सम्मान,तीजन-संत रविदास के नाम जुड़े

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ राज्योत्सव 2026 के राज्य अलंकरण समारोह में इस बार 3 नए सम्मान दिए जाएंगे। पहली बार पंडवानी गायिका तीजन बाई, संत रविदास और चेन्दरू राज्य ग्रामीण पर्यटन पुरस्कार के नाम पर राज्य अलंकरण शुरू किया जा रहा है। समारोह में गृहमंत्री अमित शाह की मौजूदगी में अलग-अलग क्षेत्रों में अच्छा काम करने वाले लोगों और संस्थाओं को सम्मानित किया जाएगा। इस बार कुल 41 पुरस्कार दिए जाएंगे। इनमें संस्कृति विभाग के 14 और अन्य विभागों के 27 पुरस्कार शामिल हैं। वहीं, मंत्री राजेश अग्रवाल ने 38 नामों का ऐलान किया है। जिसमें से दैनिक भास्कर से प्रमोद साहू, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया से बरुण सखाजी और रसिका पांडेय को चंदूलाल चंद्राकर स्मृति पत्रकारिता पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। राज्य अलंकरण कला-संस्कृति, साहित्य, पत्रकारिता, खेल, कृषि, समाजसेवा, महिला सशक्तिकरण, सहकारिता, श्रमिक कल्याण और सामाजिक जागरूकता जैसे क्षेत्रों में अच्छा काम करने वालों को दिए जाते हैं।

छत्तीसगढ़ राज्योत्सव



ARTEMIS™
शांति HOSPITAL
OUR SPECIALITY IS YOU

एक नई मंज़िल, एक नई शुरुआत
लोकार्पण समारोह
आर्टेमिस शांति अस्पताल
देवेंद्र नगर, पंडरी, रायपुर
मंगलवार, 3 नवम्बर, 2026



गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति में।

विशिष्ट अतिथिगण

श्री विष्णु देव साय
मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

श्री किरण सिंह देव
प्रदेश अध्यक्ष - भाजपा, छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़ के माननीय उपमुख्यमंत्रीगण

श्री अरुण साव | श्री विजय शर्मा

श्री श्याम बिहारी जायसवाल
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री
छत्तीसगढ़

श्री बृजमोहन अग्रवाल
लोकसभा सांसद
रायपुर, छत्तीसगढ़

श्री पुरंदर मिश्रा
विधायक, रायपुर नगर
उत्तर विधानसभा क्षेत्र

माननीय मुख्य अतिथि
श्री अमित शाह जी
केंद्रीय गृह मंत्री, भारत सरकार
के कर-कमलों द्वारा

श्री ओंकार एस. कंवर
चेयरमैन, आर्टेमिस अस्पताल एवं अपोलो टायर्स लिमिटेड

डॉ. देवलीना चक्रवर्ती
मैनेजिंग डायरेक्टर, आर्टेमिस अस्पताल

डॉ. कमलेश अग्रवाल
डायरेक्टर, आर्टेमिस शांति अस्पताल

बेहतर स्वास्थ्य, सुरक्षित जीवन और नई उम्मीदों का आगाज़।
आर्टेमिस शांति अस्पताल के नए सफर की शुरुआत,
रायपुर में बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं की ओर एक नया कदम।



300+ बेड सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल
11 विशेष चिकित्सा केंद्र
सभी प्रमुख चिकित्सा सेवाएँ
उच्च स्तरीय अत्याधुनिक तकनीक से सुसज्जित

अपाइंटमेंट : 0771-4301111
आपातकालीन : 0771-4301100
www.artemishospitals.com

लोकेशन के लिए स्कैन करें

राज्य अलंकरण एवं राज्योत्सव



समापन समारोह 2026

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

मुख्य अतिथि
श्री अमित शाह
माननीय केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री, भारत सरकार

अध्यक्षता
श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

विशिष्ट अतिथि
श्री अरुण साव
माननीय उप मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

श्री विजय शर्मा
माननीय उप मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

एवं

समस्त माननीय मंत्री, सांसद, विधायक, निगम, मंडल, आयोग, जिला पंचायत के माननीय अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं सदस्यगण, माननीय महापौर की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित है।

03 नवंबर 2026

सायं 6.00 बजे

राज्योत्सव मैदान, नवा रायपुर अटल नगर, छत्तीसगढ़

सुशासन समृद्धि समावेशी विकास

संवर रहा छत्तीसगढ़



पीएम आवास योजना
24.54 लाख से अधिक ग्रामीण परिवारों को पक्की छत

रेलवे का विस्तार
₹54,000 करोड़ की रेल परियोजनाओं का क्रियान्वयन

डेस्टिनेशन छत्तीसगढ़
छत्तीसगढ़ में पर्यटन को उद्योग का दर्जा ट्राइबल हेरिटेज व ईको टूरिज्म को बढ़ावा

जनजातीय प्रतिभाओं को प्रोत्साहन
बस्तर एवं सरगुजा ओलंपिक, बस्तर पण्डुम का निरंतर आयोजन

महतारी वंदन योजना
68 लाख महिलाओं को ₹20,708 करोड़ से अधिक की राशि अंतरित

कृषक कल्याणकारी योजनाओं से
₹1.5 लाख करोड़ से अधिक की राशि किसानों को अंतरित

मुख्यमंत्री ग्रामीण बस सेवा
बस्तर-सरगुजा के 815 गाँवों तक सुलभ परिवहन सुविधा

शहीद वीर गुंडाधुर सेवा डेरा
75 सुरक्षा कैंप बन रहे सेवा के केंद्र

CM हेल्पलाइन 1076

सीएम हेल्पलाइन 1076
हर शिकायत की सुनवाई
हर समस्या का समाधान

सेवा सेतु
जनता के द्वार, डिजिटल सरकार

38 विभागों की 953 सेवाएं एक ही प्लेटफॉर्म पर

हमसे जुड़ने के लिए QR स्कैन करें

SAMVAD- 49677/117

दैनिक
विश्व परिवार
छत्तीसगढ़
रायपुर, मंगलवार 03 नवम्बर 2026
www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

सजग रेलकर्मियों को मंडल रेल प्रबंधक दयानंद ने सम्मानित किया

रायपुर (विश्व परिवार)। रेल परिचालन में संरक्षा की सर्वोच्च प्राथमिकता है । सजगता एवं बेहतर संरक्षा कार्य में सहभागिता निभाने वाले 06 रेल संरक्षा के सजग कर्मचारियों का सम्मान मंडल रेल प्रबंधक श्री दयानंद ने किया एवं उनके संरक्षा संबंधी कार्यों पर चर्चा की। रेलवे में संरक्षा से रेल परिचालन की अहम भूमिका हैं, प्रत्येक रेल कर्मी के निर्धारित कर्तव्यों की निपुणता एवं सजगता रहने से यात्रियों को उनके गंतव्य तक सुरक्षित पहुंचाया



जाता है एवं निर्बाध रेल परिचालन होता है। मंडल रेल प्रबंधक रायपुर, श्री दयानंद के द्वारा संरक्षा प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर संरक्षा कोटि के 06 कर्मचारियों को उनके उत्कृष्ट एवं सराहनीय संरक्षा सबंधी कार्य निष्पादन के लिए सम्मानित किया गया । संरक्षा के लिए सम्मानित रेलकर्मियों में श्री संतोष कुमार राय , लोको पायलट गुड्स/भिलाई , श्री अर्जुन दास , वरिष्ठ सहायक लोको पायलट/भिलाई , श्री केयूर भूषण वर्मा, लोको पायलट गुड्स/भिलाई , श्री मिर्या सादिक बेग , स्टेशन मास्टर/मंदिरहसौद , श्री सूर्य प्रकाश सिंह, पी एम ए /बिल्हा एवं श्री पवन कुमार , टेक.-1/दुर्ग ।

इन संरक्षा कोटि के कर्मचारियों को सम्मानित किए जाने के अवसर पर संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे ।

मैक में 'मानसिक स्वास्थ्य एवं तनाव प्रबंधन' पर व्याख्यान का आयोजन

रायपुर (विश्व परिवार)। महाराजा अग्रसेन इंटरनेशनल कॉलेज, रायपुर के स्टूडेंट डेवलपमेंट प्रोग्राम के अंतर्गत दिनांक 2 नवंबर 2026, सोमवार को महाविद्यालय के ऑडिटोरियम में (मानसिक स्वास्थ्य एवं तनाव प्रबंधन) विषय पर एक विशेष व्याख्यान सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना, तनाव प्रबंधन के प्रभावी उपायों से परिचित कराना तथा उनके जीवन में सकारात्मक सोच, आत्मविश्वास, आंतरिक शांति एवं मानसिक दृढ़ता का विकास करना था। वर्तमान समय में विद्यार्थियों के बीच बढ़ती प्रतिस्पर्धा, शैक्षणिक दबाव, अत्यधिक सोचने की प्रवृत्ति एवं तनाव जैसी समस्याओं को ध्यान में रखते हुए यह सत्र विशेष रूप से उपयोगी रहा।कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में प्रो. (डॉ.) जवाहर सूरीसेट्टी, वाइस चांसलर, ऋहुस, मनोवैज्ञानिक, सरकारी नीति सलाहकार, एजुकेशन फ्यूचरिस्ट एवं दृढ़ और डिजिटल वेलबीइंग इनोवेटर स्पीकर विद्यार्थियों को संबोधित किया। उन्होंने छोटी-छोटी कहानियों के माध्यम से स्ट्रेस को कन्ट्रोल करने के तरीकों को बताया। उनके साथ डॉ. अपूर्वा श्रीवास्तव, कार्डियोपल्मोनरी फिजियोथेरेपिस्ट, लाइफ अलाइनमेंट कोच, इंटरनेशनली सर्टिफाइड ऑरा रीडर एवं हीलर तथा आर्ट ऑफ लिविंग की फैकल्टी भी अपने अनुभव एवं विचार साझा किया।



सत्र के दौरान विद्यार्थियों को तनाव के कारणों, उसके प्रभावों, सकारात्मक जीवनशैली, माइंडफुलनेस, बेहतर आदतों तथा मानसिक संतुलन बनाए रखने के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराया । साथ ही विद्यार्थियों को यह समझने का अवसर प्राप्त हुआ कि किस प्रकार वे अनावश्यक चिंताओं एवं ओवरथिंकिंग से दूर रहकर अपने जीवन में खुशी, संतुलन और सकारात्मकता बनाए रख सकते हैं।महाविद्यालय का यह प्रयास विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के साथ-साथ उनके मानसिक एवं भावनात्मक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

कार्यक्रम का संदेश है "Pause] Breathe] Be Happy Be You!" अर्थात् ठहरें, गहरी साँस लें, खुश रहें और स्वयं बनें। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. जैसमीन जोशी, उपप्राचार्य डॉ. श्वेता तिवारी, एडमीनिसस्टेऊटर सुश्री शिवांगी मिश्रा, सभी विभाग के विभागाध्यक्ष, प्राध्यापकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-6)
आई.एस.बी.टी. चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं./36747/न.पा.नि./जोन क्रं. 6/2026
रायपुर दिनांक : 02-11-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 36747
वार्ड का नाम- 62 शहीद राजीव पांडे वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि **62** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR650B00045** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **SATYAVRAT TIWARI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SUBHASH TIWARI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **MRINAL KUMAR SINHA** पिता/पति श्री/श्रीमती **S/O PRAHALAD KUMAR SINHA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **SHAHMATI PATRA, PANCHNAMA OR MALMA BIKRINAMA** / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 6
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-6)
आई.एस.बी.टी. चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं./36746/न.पा.नि./जोन क्रं. 6/2026
रायपुर दिनांक : 02-11-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 36746
वार्ड का नाम- 62 शहीद राजीव पांडे वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि **62** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR654K00198** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **MD. ASRAF** पिता/पति, श्री/श्रीमती **A. RAJJAK** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **RAZIYA SULTANA** पिता/पति श्री/श्रीमती **W/O MOHAMMAD ISMAIL KHAN** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **SAHMATI PATRA, PANCHNAMA OR MALMA BIKRINAMA** / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 6
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार रामपुर, तहसील जिला रायपुर (छ. ग.)
// सूचना प्रकाशन //

क्रमांक/क/वाचक/अति तहसीलदार/2026
रायपुर, दिनांक 22/10/206
मंतराम साहू पिता श्री केजूराम साहू निवासी-फुलवारी चौक, निमोरा रोड, शंवाभाठा रायपुर
विषय-राजस्व मामला क्रमांक // अ-6/वर्ष 2025-2025 पक्षकार श्रीमती रूबी देवी विरुद्ध 70ग0, ग्राम-उरकुरा, प0ह0नं0 40, तहसील व जिला रायपुर में पक्ष समर्थन हेतु उपस्थित होने बाबत।

00

विषयांकित संबंध में आपको सूचित किया जाता है कि आवेदिका **श्रीमती रूबी देवी पति श्री मनोज सिंह निवासी कविलाश नगर भनपुरी, रायपुर तहसील व जिला-रायपुर (छ.ग.)** द्वारा इस न्यायालय में धारा-110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के अंतर्गत नामातरण बाबत् आवेदन पत्र पेश कर लेख किया है कि **ग्राम-उरकुरा. प.ह.नं.** 40 रा.निम रायपुर के अंतर्गत स्थित परिवर्तित भूमि **खाता क्र** 1002 **खसरा क्र.** 111/24 का भाग **रकबा** 1000 **वर्गफुट याने** 0. 0093 **हे0** भूमि धारित की जाती है। उक्त संपत्ति को आवेदिका ने विक्रेता **मंतराम साहू पिता श्री केजूराम साहू निवासी-फुलवारी चौक, निमोरा रोड, रांवाभाठा रायपुर** से पंजीकृत विक्रय विलेख **दिनाक** 20/01/2016 के माध्यम से स्वामित्व एवं अधिपत्य प्राप्त किया है। इस प्रकार उपरोक्त आवेदित परिवर्तित भूमि को पंजीकृत विक्रय विलेख के आधार पर राजस्व अभिलेख में आवेदक द्वारा अपना का नाम दर्ज किये जाने हेतु निवेदन किया है।

उक्त प्रकरण में आवेदित भूमि के आप विकेता/भूमिस्वामी हैं, इसलिए आपको सूचित किया जाता है कि आप प्रकरण में नियत सुनवाई **दिनांक 05/11/2026** को स्वत: अथवा वैध प्रतिनिधि के माध्यम से उपस्थित होकर अपना पक्ष रखें अन्यथा प्रकरण में आपके विरुद्ध एकपक्षीय कार्यवाही किया जावेगा ।

आज **दिनांक 22/10/2026** को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

मुहर
अतिरिक्त तहसीलदार
रायपुर (छ.ग.

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-6)
आई.एस.बी.टी. चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं./36691/न.पा.नि./जोन क्रं. 6/2026
रायपुर दिनांक : 02-11-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 36691
वार्ड का नाम- 61 श्यामा प्रसाद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि **61** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR663R1063B** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **NB. NARENDRA DEV VERMA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **BHARAT LAL VERAM** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **DEEPIKA VERMA** पिता/पति श्री/श्रीमती **DHANESH KUMAR VERMA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 6
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

शंकर नगर से खम्हारडीह जाने वाले मार्ग के गड्ढे को मरम्मत करवाकर सुव्यवस्थित किया

रायपुर। विगत दिनों रायपुर नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 3 द्वारा जोन क्षेत्र अंतर्गत शंकर नगर से खम्हारडीह तक के मार्ग के गड्ढे को सीवर लाईन



लीकेज को मरम्मत करवाकर तत्काल एक दिन में पूरी तरह पाटकर सुव्यवस्थित कर दिया गया. इससे जनहित में जनसुविधा की दृष्टि से मुख्य मार्ग का यातायात पूर्ववत सुगम और सुव्यवस्थित हो गया है. यह कहना कदापि सही नहीं है कि गड्ढे को एक सप्ताह तक छोड़ दिया गया था, जबकि एक दिन में ही उसमें आवश्यक सुधार और मरम्मत करवाकर नगर निगम जोन 3 द्वारा मुख्य मार्ग में गड्ढे को पूरी तरह से पाट दिया गया था.

कार्यालय संपदा अधिकारी

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र राज. परि. चतुर्थ तल
व्यवसायिक परिसर (दक्षिण पूर्व कार्नर) सेक्टर 27 नवा रायपुर अटल नगर
फोन न.: 0771-4016094, E-mail Id:- em_zonew@yahoo.co

// आम सूचना //

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा हितग्राहियों को लीज में भवन आबंटित है, उक्त भवन को फ्री-होल्ड के लिए निर्धारित प्रारूप में आवेदन प्रस्तुत किया गया है, फ्री-होल्ड संपरिवर्तन निम्नानुसार किया जाना है:-

क्र.	आबंटियों का नाम	पिता/पति का नाम	कॉलोनी का नाम	भवन क्रमांक
1.	श्री योगेश सिंह कुशवाहा	श्री वीर सिंह कुशवाहा	सेक्टर-27 नवा रायपुर अटल नगर	F2A-35/605
2.	डॉ श्रीमति अनीता अग्रवाल	डॉ मोहन लाल अग्रवाल	-- तदैव--	P3B-802A
3.	डॉ मोहन लाल अग्रवाल	स्व श्री उदेराम अग्रवाल	--तदैव--	P3B-618
4.	श्री विनोद कुमार त्रिपाठी	स्व श्री जनार्दन प्रसाद त्रिपाठी	-- तदैव-	F2C-27/301
5.	श्रीमति प्रीति निवास एवं श्री हर्ष निवास	श्री राम निवास / श्री राम निवास	सेक्टर-29 नवा रायपुर अटल नगर	HIG PRE-381
6.	श्री अनिल कुमार अग्रवाल	श्री बलराम अग्रवाल	- तदैव--	HIG-I/635
7.	श्रीमति सीतू कुमारी	श्री ओम प्रकाश	-तदैव--	JR.MIG-I /126
8.	श्री दिलीप कुमार मिश्रा	श्री शत्रुघन मिश्रा	- तदैव-	MIG-I, Flat-06/208
9.	श्रीमति जास्मीन सोम	श्री पल्लव सोम	- तदैव-	MIG-I, Flat-02/207
10.	श्री जाहिद हुसैन एवं श्रीमति तबस्सुम हुसैन	श्री एन. हुसैन / श्री जाहिद हुसैन	-- तदैव--	LIG Flat-19/204
11.	श्री मनोज कुमार दास	श्री सुदर्शन दास	-- तदैव-	LIG Flat-18/105
12	श्री नवीन कुमार साहू	स्व. श्री महेन्द्र कुमार साहू	-- तदैव--	EWS Flat-10/208
13.	श्री किसलय श्रीवास्तव	श्री एस. के. श्रीवास्तव	- तदैव--	MIG Flat-27/303
14	श्रीमति दीपिका खाखा	श्री निर्मल कुमार खाखा	सेक्टर-27 नवा रायपुर अटल नगर	F2B-32/104
15	श्रीमति हितेश चंदेले एवं श्री राजेश चंदेले एवं श्रीमति सोनमती चंदेले	श्री राजेश चंदेले / श्री बी.एस.चंदेले श्री बी. एस. चंदेले	- तदैव--	P3B-776A
16	सुश्री बीना सरनाईक	पिता डॉ डीगम्बर अनंतराव सरनाईक	- तदैव-	F3C-21/503
17	डॉ रमेश कुमार मोहंती	श्री प्रणकुषणा मोहती	- तदैव-	F2B-29/404
18	श्री पेरूमाल हरीश अरूण	स्व. श्री हरी	- तदैव-	F3C-21/505
19	श्रीमति मंजीत कौर जम्मू एवं श्री सरबजीत सिंह जम्मू एवं श्री सत्याजीत सिंह	श्री सरबजीत सिंह / स्व. श्री हरमावन सिंह जम्मू/ श्री सरबजीत सिंह	सेक्टर-29 नवा रायपुर अटल नगर	HIG PRE-369
20	श्री शिव शंकर प्रसाद	श्री राम लखन प्रसाद	-तदैव--	HIG-II/857
21	श्रीमति पल्लवी समरप्रिता	श्री शिवशंकर प्रसाद	- तदैव-	HIG Flat-50/102
22	श्रीमति वीना डेविड	श्री विनित डेविड	- तदैव-	MIG-I-03/301
23	श्री विनय कुमार साहू	श्री बिप्र चरण साहू	- तदैव-	HIG-II/62
24	श्री डोमार सिंह वर्मा	स्व. श्री रामदयाल वर्मा	- तदैव-	HIG-II/457
25	श्री जितेन्द्र कुमार गुप्ता एवं श्रीमति वंदना गुप्ता	श्री एस.पी. गुप्ता	सेक्टर-27 नवा रायपुर अटल नगर	P2A-451
26	श्री अनुज सिंह ठाकुर	स्व. श्री लखन सिंह ठाकुर	- तदैव-	F1C-11/101
27	श्री एल.ई. फांसीस	श्री ई.ए. फांसीस	दीनदयाल गातापार	LIG-333

अत: इस आम सूचना प्रकाशन की तिथि से 15 दिवस के अन्दर किसी भी व्यक्ति, शासकीय व अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक अथवा वित्तिय संस्था को कोई आपत्ति हो तो मय दस्तावेज के साथ अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में कार्यालयीन दिवस में प्रस्तुत करें। निर्धारित अवधि के पश्चात् कोई भी आपत्ति स्वीकार नहीं होगी।

संपदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना
विकास मण्डल प्रक्षेत्र-नवा रायपुर अटल नगर

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-6)
आई.एस.बी.टी. चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं./36750/न.पा.नि./जोन क्रं. 6/2026
रायपुर दिनांक : 02-11-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 36750
वार्ड का नाम- 62 शहीद राजीव पांडे वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि **62** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR654K00294** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **MEHAJBIN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SAYYED ADIL RASID** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **ABDUL SABIR QURAISHI** पिता/पति श्री/श्रीमती **S/O ABDUL SATTAR QURAISHI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 6
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./36737/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2026
रायपुर दिनांक : 02-11-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 36737
वार्ड का नाम- 27- इंदिरा गांधी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि **27** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR220J00316** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **SHIV PRASAD TIWARI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **....** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. श्री अभिषेक तिवारी 2. श्री अभिनव तिवारी 3. अंकुर तिवारी** पिता/पति, श्री/श्रीमती **स्व. शिव प्रसाद तिवारी** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **शपथ पत्र, सत्यापन, मृत्यु प्रमाण पत्र, रजिस्ट्री हक त्याग** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री संतोष पाण्डेय
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./36739/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2026
रायपुर दिनांक : 02-11-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 36739
वार्ड का नाम- 28- शहीद हेमू कालाणी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि **28** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.-**RPR235F00156** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **RAMESH KUMAR AGRAWAL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **...** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **श्री सावरिया अग्रवाल** पिता/पति, श्री/श्रीमती **स्व. श्री रमेश कुमार अग्रवाल** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **शपथ पत्र, सत्यापन, मृत्यु प्रमाण पत्र, रजिस्ट्री कापी** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री संतोष पाण्डेय
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01, सिरपुर भवन, व्यवसायिक परिसर कबीर नगर, रायपुर
email Id- eocghbzone1@gmail.com

आम- सूचना

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल द्वारा **टाटीबंध कालोनी, रायपुर** में निर्मित **ई.डब्ल्यू.एस. योजना में से भवन/भूखण्ड क्र. ई.डब्ल्यू.एस.-811, स्लाईस-01,** के आबंटी मोहम्मद **नौशाद अंसारी पिता मोहम्मद सकूर अंसारी** स्वविक्तीय /एकमुश्त / ऑफ्फ आधार पर आबंटित / नामांतरित किया गया है। उनके द्वारा **दिनांक 31.07.2007** को लीजडीड/सेलडीड/विक्रय विलेख पंजीकृत करा लिया गया है। मूल आबंटी / नामांतरी द्वारा उक्त भवन दानग्रहितागण **01. मोहम्मद इमरान अंसारी पिता मोहम्मद नौशाद अंसारी 02. मोहम्मद अकरम अंसारी पिता मोहम्मद नौशाद अंसारी वली व पालक मोहम्मद ईमरान अंसारी** के पक्ष में **दिनांक 27.07.2018** को दान कर दिया।

तदउपरांत दानग्रहिता द्वारा उक्त भवन / भूखण्ड अपने नाम पर नामांतरण करने हेतु आवेदन पत्र, दान विलेख की छायाप्रति, सहमति पत्र एवं अन्य दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है। प्रस्तुत दस्तावेज के आधार पर उक्त भवन / भूखण्ड दानग्रहिता **01. मोहम्मद इमरान अंसारी पिता मोहम्मद नौशाद अंसारी 02. मोहम्मद अकरम अंसारी पिता मोहम्मद नौशाद अंसारी वली व पालक मोहम्मद ईमरान अंसारी** के नाम पर नामांतरण किया जाना है।

अत: किसी भी व्यक्ति शासकीय / अर्द्धशासकीय / वित्तीय संस्था इत्यादि को उक्त भूखण्ड/भवन के नामांतरण के संबंध में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आम सूचना प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अन्दर स्वत: उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद में प्राप्त आपत्ति मान्य नही की जावेंगी, एवं भवन का नामांतरण आदेश जारी कर दिया जावेगा।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं
अधोसंरचना विकास मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01
कबीर नगर, रायपुर

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-7)
मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर
E-mail ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्र./36742/ न.पा.नि./जोन क्र.-7/2026
रायपुर, दिनांक 02-11-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 36742
वार्ड का नाम-36 - तात्यापारा वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **36** स्थित/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR738B00282** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MANSUR ALI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **MAHFOUZ ALI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **श्री शबाना परवीन** पिता/पति, श्री/श्रीमती **श्री सफदर अली** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **शपथ पत्र मलमा बिक्रीनामा** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
डॉ. तृप्ति पाणिग्रही
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-7
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-7)
मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर
E-mail ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्र./36743/ न.पा.नि./जोन क्र.-7/2026
रायपुर, दिनांक 02-11-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 36743
वार्ड का नाम-36 - तात्यापारा वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **36** स्थित/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR717D00144** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **NIRMAL KUMAR KHURANA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **RADHA KISHAN KHURANA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **श्री सारंग नरेश कुमार अग्रवाल** पिता/पति, श्री/श्रीमती **श्री नरेश बाबूलाल अग्रवाल** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
डॉ. तृप्ति पाणिग्रही
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-7
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-03, सेजबहार, रायपुर (छ.ग.), फोन नं.-0771-2991574
email Id- eocghbzone03@gmail.com

आम- सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि **छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल** द्वारा कालोनी **खिलौरा, जिला- रायपुर, में स्थित दीनदयाल आवास** योजनांतर्गत निर्मित भवन क्र. **एल.आई.जी -18, श्री नरेन्द्र अवस्थी पिता स्व. श्री रामसहाय अवस्थी निवासी:- महादेव घाट रोड़ मैत्री नगर पो. सुंदर नगर रायपुर तह व जिला-रायपुर (छ.ग.)** के नाम पर इस कार्यालय के आंबटन आदेश **क्र. 621 दिनांक** 22.01.2009 के माध्यम से भाडाकय आधार पर आंबटित है। आबंटी द्वारा भवन का पूर्ण मूल्य जमा कर **दिनांक** 26.08.2014 को सेलडीड निष्पादित कराने के उपरांत पत्र **क्रमांक** 2600 **दिनांक** 10.12.2014 को आधिपत्य आदेश जारी किया गया है। आंबटी **श्री नरेन्द्र अवस्थी पिता स्व. श्री रामसहाय अवस्थी,** उक्त भवन को विक्रय अनुमति हेतु आवेदन पत्र, विक्रय इकरारनामा की छायाप्रति एवं आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है। प्रस्तुत दस्तावेज के आधार पर उक्त भवन को क्रेता **श्रीमती प्रेमलता शर्मा पति श्री योगेश्वर कुमार शर्मा निवासी:- वार्ड क्रमांक-53, गुडलक प्लास्टिक फैक्ट्री के पास, संतोषी नगर, रायपुर तह व जिला-रायपुर (छ.ग.)** के पक्ष में विक्रय हेतु अनुमति प्रदान किया जाना है।

अत: किसी भी व्यक्ति, शासकीय/अर्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक अथवा वित्तीय संस्था इत्यादि को उक्त भूखण्ड/भवन/फ्

दैनिक
विश्व परिवार

विचार-पक्ष

रायपुर, मंगलवार 03 नवंबर 2026

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संपादकीय

जानलेवा हवा:सर्दियों से पहले ही प्रदूषण की चुनौती

ललित गर्ग

दिल्ली-एनसीआर की स्थिति इस संकट का सबसे स्पष्ट उदाहरण है। दिल्ली के साथ गाजियाबाद, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गुरुग्राम, फरीदाबाद और आसपास के अनेक शहर एक-दूसरे से जुड़े वायु क्षेत्र का हिस्सा हैं। इसलिए केवल दिल्ली की सीमाओं के भीतर उपाय करने से समस्या का स्थायी समाधान संभव नहीं है। सर्दियों ने अभी पूरी तरह दस्तक भी नहीं दी है कि देश के अनेक शहरों की हवा में प्रदूषण का जहर घुलने लगा है। दिल्ली-एनसीआर सहित उत्तर भारत के कई क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता का तेजी से बिगड़ना इस बात का संकेत है कि प्रदूषण का संकट अब केवल सर्दियों की मौसमी समस्या नहीं, बल्कि हमारे पर्यावरणीय प्रबंधन, शहरी विकास और सार्वजनिक स्वास्थ्य के सामने खड़ी एक गंभीर चुनौती बन चुका है। हर साल अक्टूबर-नवंबर में दमघोंटू धुंध, आंखों में जलन, सांस लेने में कठिनाई और अस्पतालों में बढ़ती मरीजों की संख्या के साथ यह संकट सामने आता है। विडंबना यह है कि समस्या के कारणों की पहचान होने और उपायों की जानकारी उपलब्ध होने के बावजूद हम हर वर्ष उसी त्रासदी को दोहराने के लिए विवश दिखाई देते हैं। सवाल यह है कि क्या स्वच्छ हवा में सांस लेना भी अब नागरिकों के लिए एक दुर्लभ सुविधा बनकर रह जाएगा? वायु प्रदूषण किसी एक कारण या किसी एक राज्य की देन नहीं है। वाहनों से निकलने वाला धुआं, औद्योगिक उत्सर्जन, निर्माण स्थलों से उड़ती धूल, सड़कों पर जमा मिट्टी, कचरा और जैविक पदार्थ जलाना, ताप विद्युत संयंत्रों से होने वाला उत्सर्जन तथा कृषि अवशेषों का दहन इसके प्रमुख कारणों में शामिल हैं। सर्दियों में तापमान गिरने, हवा की गति कम होने और वायुमंडलीय परिस्थितियों के कारण प्रदूषक जमीन के निकट जमा हो सकते हैं। इससे प्रदूषण का प्रभाव अधिक गंभीर हो जाता है। इस प्रकार मौसम समस्या को बढ़ाता अवश्य है, लेकिन प्रदूषण पैदा करने वाले मूल कारण मुख्यत: मानवीय गतिविधियों और उनके अपर्याप्त नियमन से जुड़े हैं। दिल्ली-एनसीआर की स्थिति इस संकट का सबसे स्पष्ट उदाहरण है। दिल्ली के साथ गाजियाबाद, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गुरुग्राम, फरीदाबाद और आसपास के अनेक शहर एक-दूसरे से जुड़े वायु क्षेत्र का हिस्सा हैं। इसलिए केवल दिल्ली की सीमाओं के भीतर उपाय करने से समस्या का स्थायी समाधान संभव नहीं है। हवा किसी प्रशासनिक सीमा को नहीं मानती, वह प्रदूषण को भी एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र तक पहुंचाती है। अत: समाधान भी क्षेत्रीय सहयोग, साझा जवाबदेही और समन्वित कार्ययोजना पर आधारित होना चाहिए। वायु प्रदूषण का सबसे भयावह पक्ष उसका स्वास्थ्य पर पड़ने वाला प्रभाव है। विशेष रूप से पीएम 2.5 जैसे अत्यंत सूक्ष्म कण फेफड़ों की गहराई तक पहुंच सकते हैं और कुछ परिस्थितियों में रक्तप्रवाह तक प्रवेश कर सकते हैं। इनके लंबे समय तक संपर्क में रहने से हृदय एवं फेफड़ों संबंधी बीमारियों, स्ट्रोक और समयपूर्व मृत्यु का जोखिम बढ़ता है। बच्चों, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं तथा पहले से बीमार लोगों पर इसका प्रभाव विशेष रूप से गंभीर हो सकता है। यह संकट केवल सांस के मरीजों तक सीमित नहीं है। स्वस्थ दिखाई देने वाले लोगों की कार्यक्षमता, एकाग्रता और जीवन की गुणवत्ता भी प्रभावित होती है। स्कूल जाने वाले बच्चों को खुले मैदान में खेलने से रोकना पड़े, बुजुर्ग सुबह की सैर छोड़ने को विवश हों और श्रमिकों को जहरीली हवा में काम करना पड़े, तो यह केवल पर्यावरण की समस्या नहीं, बल्कि जीवन की गरिमा और नागरिकों के स्वास्थ्य के अधिकार से जुड़ा प्रश्न है। एयर प्यूरीफायर या मास्क कुछ परिस्थितियों में व्यक्तिगत बचाव में सहायक हो सकते हैं, लेकिन वे स्वच्छ हवा की सार्वजनिक व्यवस्था का विकल्प नहीं बन सकते। प्रदूषण बढ़ने पर ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान (ग्रैप) लागू करना आवश्यक है। इसके अंतर्गत प्रदूषण की गंभीरता के अनुसार निर्माण गतिविधियों पर प्रतिबंध, वाहनों और उद्योगों पर नियंत्रण तथा अन्य आपातकालीन कदम उठाए जाते हैं। लेकिन इन उपायों की सफलता केवल आदेश जारी करने से नहीं, बल्कि उनके प्रभावी क्रियान्वयन और निरंतर निगरानी से सुनिश्चित होती है। यदि प्रतिबंधों का उल्लंघन होता रहे, निर्माण स्थलों पर धूल उड़ती रहे और कचरा खुले में जलता रहे, तो सरकारी घोषणाएं अपेक्षित परिणाम नहीं दे सकतीं।सरकार को प्रदूषण के चरम पर पहुंचने की प्रतीक्षा करने के बजाय सितंबर-अक्टूबर से ही तैयारी शुरू कर देनी चाहिए। प्रदूषण के स्रोतों की पहचान, औद्योगिक इकाइयों का निरीक्षण, सड़कों की नियमित सफाई, निर्माण स्थलों पर धूल नियंत्रण और वाहनों के उत्सर्जन की जांच पहले से सुनिश्चित की जानी चाहिए। सार्वजनिक परिवहन को मजबूत करना, इलेक्ट्रिक बसों को बढ़ावा देना, स्वच्छ ऊर्जा का विस्तार करना और प्रदूषण फैलाने वाली इकाइयों के विरुद्ध निष्पक्ष कार्रवाई करना दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा होना चाहिए। कृषि क्षेत्र में पराली जलाने की समस्या का समाधान किसानों पर जुर्माना लगाने भर से नहीं होगा। उन्हें फसल अवशेषों के प्रबंधन के लिए सस्ती मशीनें, तकनीकी सहायता, आर्थिक प्रोत्साहन और स्थानीय स्तर पर उपयोग की सुविधाएं उपलब्ध करानी होंगी। किसानों को समस्या का भागीदार नहीं, समाधान का सहयोगी बनाना होगा। प्रदूषण नियंत्रण की जिम्मेदारी केवल सरकार की नहीं है। नागरिकों को निजी वाहनों का अनावश्यक उपयोग कम करने, सार्वजनिक परिवहन अपनाने, कचरा और पत्तियां न जलाने तथा ऊर्जा की बचत करने जैसे कदम उठाने होंगे। पर्यावरण संबंधी नियमों के उल्लंघन की सूचना संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाना और स्थानीय स्तर पर स्वच्छता एवं हरित क्षेत्र बढ़ाने के प्रयासों में भाग लेना भी आवश्यक है। मीडिया, शैक्षणिक संस्थानों और सामाजिक संगठनों को जनजागरूकता अभियान चलाने चाहिए, ताकि स्वच्छ हवा का महत्व केवल प्रदूषण के चरम पर ही याद न आए। साथ ही, वायु गुणवत्ता के आंकड़े पारदर्शी ढंग से सार्वजनिक किए जाएं और नागरिकों को प्रदूषण के स्तर के अनुरूप स्वास्थ्य संबंधी सलाह दी जाए। आज आवश्यकता इस बात की है कि सरकारें, उद्योग, किसान और नागरिक अपनी-अपनी जिम्मेदारियों से पीछे न हटें। चीन के बीजिंग जैसे शहरों में प्रदूषण घटाने के अनुभव यह बताते हैं कि निरंतर नीतिगत प्रयास, स्वच्छ परिवहन, औद्योगिक नियंत्रण और प्रभावी निगरानी से उल्लेखनीय सुधार संभव है। भारत को भी अपनी परिस्थितियों के अनुरूप ऐसे उपायों को दृढ़ता से लागू करना होगा। हर साल सर्दियों में प्रदूषण से जूझना और फिर मौसम बदलने पर समस्या को भूल जाना किसी भी संवेदनशील समाज की नियति नहीं हो सकती। स्वच्छ हवा कोई विलासिता नहीं, जीवन की बुनियादी आवश्यकता है। यदि आज ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाली पीढ़ियों को इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। इसलिए प्रदूषण का मुकाबला संकट गहराने के बाद नहीं, उससे पहले करना होगा। सरकार की सक्रियता, प्रशासन की जवाबदेही और जनता की जागरूकता ही वह त्रिकोण है, जिसके आधार पर हम दमघोंटू हवा से मुक्ति की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं।



इंटरनेट बच्चों के लिए सुरक्षित नहीं

अदालत ने स्वीकार किया इंटरनेट की वर्तमान स्थिति बच्चों के लिए कतई सुरक्षित नहीं है। यह मानने के बावजूद जजों ने सुरक्षा की सारी जिम्मेदारी चाइल्ड मोड की सुविधा और माता-पिता की निगरानी पर डाल दी। सुप्रीम कोर्ट का फैसला है कि बच्चों को भी बालिगों की तरह इंटरनेट के उपयोग का अधिकार है। 'सुरक्षा' के नाम पर इंटरनेट तक उनकी पहुंच रोकी नहीं जा सकती। इस रूप में कोर्ट ने आधुनिक जीवन में इंटरनेट के महत्त्व को रेखांकित किया है। यह सराहनीय है कि कोर्ट ने प्रतिबंध ही सुरक्षा है, जैसी प्रशासनिक सोच को खारिज कर दिया। दरअसल, बच्चों को साइबरस्पेस से बाहर निकालना पीड़ित को ही समस्या मान लेने जैसा है। उचित ही न्यायालय ने इस नजरिए को ठुकरा दिया। इसके बावजूद इस फैसले में कई समस्याएं हैं, जिन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। खुद अदालत ने स्वीकार किया इंटरनेट की वर्तमान स्थिति बच्चों के लिए कतई सुरक्षित नहीं है। यह मानने के बावजूद जजों ने सुरक्षा की सारी जिम्मेदारी चाइल्ड मोड की सुविधा और माता-पिता की निगरानी पर डाल दी। यानी सेवा प्रदाता प्लेटफॉर्म कंपनियों को जवाबदेही से पूरी तरह मुक्त कर दिया। कोर्ट ने इन कंपनियों से बाल यौन शोषण सामग्री हटाने को कहा तो है, लेकिन उनके अनिवार्य तकनीकी ऑडिट और सजा का कोई प्रावधान नहीं किया। अदालत की यह राय वाजिब है कि दूरदराज के इलाकों और विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के पास अक्सर सीखने और दुनिया से जुड़ने का एकमात्र माध्यम इंटरनेट ही होता है। लेकिन ऐसी स्थिति में प्लेटफॉर्म कंपनियों की जवाबदेही तय करने का सिस्टम और जरूरी हो जाता है। गरीब परिवारों में माता-पिता अक्सर डिजिटल साक्षर नहीं होते। उनके बच्चे सस्ते स्मार्टफोन के जरिए इंटरनेट का उपयोग करते हैं। डिवाइस सुरक्षा, डेटा गोपनीयता, और सामग्री फिल्टरिंग के अभाव में इंटरनेट तक पहुंच का अधिकार किस हद तक सशक्तीकरण है, यह सवाल बना रहेगा। वैसे भारत में व्यापक दायरे में भी अधिकार और उसके उपभोग की स्थितियों ने एक विरोधाभास खड़ा कर रखा है। सुप्रीम कोर्ट पहले निर्णय दे चुका है कि बार-बार इंटरनेट शट-डाइन नागरिकों के अभिव्यक्ति के अधिकार का उल्लंघन है। लेकिन इससे शटडाउन पर रोक नहीं लगी है। भारत सबसे ज्यादा ऐसा शट-डाउन करने वाला देश बना हुआ है। इसीलिए अधिकार की हर न्यायिक घोषणा के व्यावहारिक महत्त्व पर अक्सर नया सवाल उठ खड़ा होता है।

आलेख

स्वाद, सुविधा और बदलते खानपान की संस्कृति का लोकप्रिय प्रतीक : विश्व सैंडविच दिवस

सुनील कुमार वाजपेयी शिवम्

भोजन केवल पेट भरने का माध्यम नहीं, बल्कि मानव सभ्यता, संस्कृति और जीवनशैली का भी परिचायक है। बदलते समय के साथ खानपान की आदतों में भी व्यापक परिवर्तन आया है। कभी पारंपरिक भोजन ही मनुष्य की पहली पसंद हुआ करता था, लेकिन आज व्यस्त जीवनशैली में ऐसे खाद्य पदार्थों की लोकप्रियता बढ़ी है, जिन्हें कम समय में तैयार किया जा सके और आसानी से कहीं भी खाया जा सके। सैंडविच ऐसा ही एक लोकप्रिय खाद्य पदार्थ है। इसी की लोकप्रियता और विविधता को रेखांकित करने के लिए प्रतिवर्ष 3 नवम्बर को विश्व सैंडविच दिवस मनाया जाता है। आइये जानते हैं सैंडविच का इतिहास क्या है? सैंडविच के इतिहास को अठारहवीं शताब्दी के इंग्लैंड से जोड़कर देखा जाता है। माना जाता है कि इसका नाम ब्रिटेन के चौथे अर्ल ऑफ सैंडविच जॉन मोंटेग्यू के नाम पर पड़ा। प्रचलित ऐतिहासिक मान्यता के अनुसार वे ताश खेलने के शौकीन थे और खेल के दौरान ऐसा भोजन चाहते थे, जिसे हाथों से आसानी से खाया जा सके और जिसके लिए मेज छोड़ने की आवश्यकता न पड़े। इसलिए उन्होंने रोटी के दो टुकड़ों के बीच मांस रखकर खाने की व्यवस्था पसंद की। धीरे-धीरे यह तरीका लोकप्रिय हुआ और उनके नाम पर इसे सैंडविच कहा जाने लगा। हालांकि रोटी के बीच विभिन्न खाद्य पदार्थ रखकर खाने की परंपरा उनसे पहले भी दुनिया के अनेक हिस्सों में मौजूद थी। सैंडविच की लोकप्रियता के कारण जाने तो सैंडविच की सबसे बड़ी विशेषता इसकी सरलता और विविधता है। इसे बनाने के लिए ब्रेड के दो टुकड़ों के बीच सब्जियां, पनीर, मक्खन, चटनी, अंडा, मांस अथवा अन्य पसंदीदा सामग्री रखी जा सकती है। इसे सेंककर, टोस्ट करके अथवा सामान्य रूप में भी खाया जा सकता है। विद्यालय जाने वाले बच्चों से लेकर कार्यालयों में काम करने वाले कर्मचारियों तक, हर आयु वर्ग में इसकी लोकप्रियता है। यात्रा के दौरान भी यह सुविधाजनक भोजन साबित होता है। आज बाजार में वेज सैंडविच, चीज सैंडविच, क्लब सैंडविच, ग्रिल्ड सैंडविच, पनीर सैंडविच और अनेक क्षेत्रीय स्वादों वाले सैंडविच उपलब्ध हैं। भारतीय खानपान में सैंडविच का प्रभाव, भारत में सैंडविच ने अपनी अलग पहचान बनाई है। मुंबई का लोकप्रिय बॉम्बे सैंडविच इसका बेहतरीन उदाहरण है। इसमें उबले आलू, खीरा, टमाटर, चुकंदर, हरी चटनी और मसालों का अनूठा मेल देखने को मिलता है। भारत के अलग-अलग शहरों में स्थानीय स्वाद के अनुरूप सैंडविच तैयार किए जाते हैं। कहीं पनीर और मसालों का प्रयोग होता है तो कहीं मक्खन, पुदीना और सब्जियों का। आज छोटे ठेलों से लेकर बड़े होटलों और बहुराष्ट्रीय खाद्य प्रतिष्ठानों तक सैंडविच की व्यापक उपस्थिति है। सैंडविच का स्वास्थ्य पर प्रभाव और सावधानियां भी जानना जरूरी है। सैंडविच स्वादिष्ट और सुविधाजनक जरूर है, लेकिन इसका स्वास्थ्यवर्धक होना उसमें इस्तेमाल की गई सामग्री पर निर्भर करता है। मैदा, अत्यधिक मक्खन, मेयोनेज़, नमक और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों का अधिक प्रयोग इसे अस्वास्थ्यकर बना सकता है।इसके स्थान पर साबुत अनाज की ब्रेड, ताजी सब्जियां, पनीर, अंकुरित अनाज और सीमित मात्रा में स्वस्थ वसा का इस्तेमाल किया जाए तो सैंडविच पौष्टिक भोजन का विकल्प बन सकता है। खाद्य सामग्री की स्वच्छता और ताजगी का भी विशेष ध्यान रखना चाहिए। विश्व सैंडविच दिवस केवल एक खाद्य पदार्थ के स्वाद का उत्सव नहीं है, बल्कि यह खानपान में नवाचार, विविधता और सुविधाजनक भोजन की बदलती संस्कृति को समझने का अवसर भी है। आज जब समय की कमी और भागदौड़ भरी जिंदगी ने भोजन की आदतों को प्रभावित किया है, तब जरूरी है कि सुविधा के साथ स्वास्थ्य को भी प्राथमिकता दी जाए। सैंडविच का वास्तविक आनंद तभी है, जब उसमें स्वाद के साथ पौष्टिकता और स्वच्छता का संतुलन भी हो। यही विश्व सैंडविच दिवस का सार्थक संदेश है।

सुशासन की मिसाल सीएम हेल्पलाइन-जनता की उम्मीदों पर खरी उतर रही डिजिटल पहल

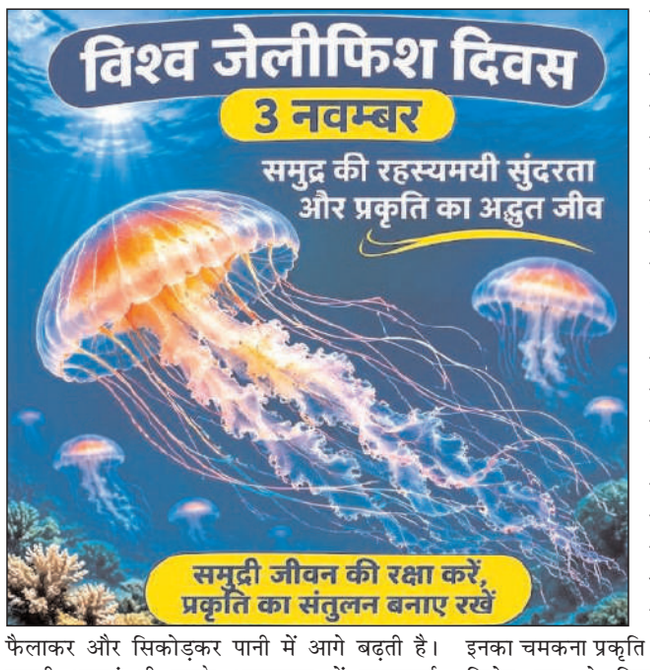
धनंजय राठौर

लोकतंत्र की सबसे बड़ी खूबसूरती यह है कि इसमें शासन और प्रशासन सीधे जनता के प्रति जवाबदेह होते हैं। सुशासन और पारदर्शी व्यवस्था की दिशा में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा उठाया गया एक बेहद प्रभावी कदम सीएम हेल्पलाइन 1076 है। आज यह हेल्पलाइन राज्य के आम नागरिकों के लिए वरदान साबित हो रही है, जिसके माध्यम से घर बैठे उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित हो रहा है।मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 और प्रशासनिक कामकाज की उच्चस्तरीय समीक्षा करते हुए स्पष्ट किया है कि हेल्पलाइन का उद्देश्य केवल शिकायतों के आंकड़ों को कम करना या पोर्टल पर उन्हें क्लोज करना नहीं है, बल्कि नागरिकों को वास्तविक और संतोषजनक समाधान दिलाना है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा है कि उनकी अपेक्षा बहुत स्पष्ट है-जनता को अपनी समस्या लेकर भटकना न पड़े। अधिकांश अधिकारी-कर्मचारी अच्छा काम कर रहे हैं, जिनके परिश्रम की वे सराहना भी करते हैं। लेकिन कुछ लोगों की लापरवाही से पूरे प्रशासन की छवि खराब हो, यह उचित नहीं है। जो अच्छा काम कर रहे हैं, उन्हें प्रोत्साहन मिलेगा; जहां कमी है, वहां सुधार का अवसर मिलेगा; और जो लगातार लापरवाही करेंगे, उनकी जवाबदेही तय होगी। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 का मूल मंत्र संवेदनशीलता, समयबद्धता और समाधान होना चाहिए। छत्तीसगढ़ शासन के टोल-फ्री नंबर 1076 के माध्यम से नागरिक सरकारी सेवाओं और अपनी समस्याओं से जुड़ी शिकायतें दर्ज करा सकते हैं। यह कॉल सेंटर 24 घंटे और सातों दिन चालू रहता है। राज्य शासन के 49 विभागों के लगभग 8 हजार अधिकारी इससे जुड़े हुए हैं तथा 1195 श्रेणियों में निर्धारित समय-सीमा के भीतर शिकायतों के निराकरण की व्यवस्था की गई है। सीएम हेल्पलाइन 1076 पर अब तक 2 लाख 45 हजार 376 शिकायतें दर्ज की गई हैं, जिनमें से 2 लाख 10 हजार 649 शिकायतों का सफल निराकरण किया जा चुका है। शेष 34 हजार 727 शिकायतों पर तीव्र गति से कार्रवाई जारी है। इस प्रकार, अब तक प्राप्त कुल शिकायतों में से 85.85 प्रतिशत का निराकरण किया जा चुका है। सीएम हेल्पलाइन 1076 पर आम जनता से जुड़ी समस्याएं दर्ज कराई जा सकती हैं-बिजली संबंधी समस्याएं (जला हुआ ट्रांसफार्मर न बदलना, बिजली कटौती या बिल में गड़बड़ी), राजस्व से जुड़े मामले (खाता विभाजन, नामांतरण/फौती, जमीन-जायदाद के विवाद या सीमांकन में देरी), शासकीय दस्तावेजों के आवेदन (निवास, जाति प्रमाण पत्र आदि के खारिज होने या देरी होने पर), प्रशासनिक लापरवाही (थानेदार या तहसीलदार द्वारा सुनवाई न करना, रिपोर्ट न दर्ज करना), जनहित से जुड़ी योजनाएं (स्वास्थ्य, शिक्षा, राशन कार्ड, पेयजल, सड़क और पेंशन संबंधी दिक्कतें) शामिल की गई हैं। पामगढ़ (जांजगीर-चांपा) के ग्राम भवतरा निवासी श्री देवेंद्र दिनकर की राशन कार्ड संबंधी शिकायत प्राप्त होते ही त्रुटि का सुधार किया गया, जिससे उनका कार्ड पुन: सक्रिय हो गया और उन्हें नियमित राशन मिलने लगा। दुर्गूकोंदल (कांकेर) के ग्राम पंचायत चिखली के आश्रित ग्राम हड़फड़ में क्रेडा विभाग द्वारा कुछ ही घंटों के भीतर बिगड़े हुए सोलर पंप का तत्काल सुधार किया गया। गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही जिले के खनिज विभाग ने अवैध रेत एवं गिट्टी परिवहन के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए 8 ट्रैक्टर वाहन जब्त किए। बसना (महासमुंद) के ग्राम केंवटापाली निवासी श्री खिरोद कुमार साव की ईवी (इलेक्ट्रिक वाहन) सब्सिडी से जुड़ी लंबित समस्या का परिवहन विभाग ने त्वरित समाधान कर राशि उपलब्ध कराई। तपकरा (जशपुर) के बुजुर्ग श्री त्रिपुरारी शर्मा की बंद हुई वृद्धावस्था पेंशन बहाल की गई। इसी क्षेत्र के श्री ओम प्रकाश की शिकायत पर जल प्रदाय योजना के तहत नया मोटर स्थापित कर पेयजल आपूर्ति सुचारू की गई, जिससे 200 परिवारों को राहत मिली। सरगुजा जिले के ग्राम करिया की 12वीं की छात्रा आराधना सिंह के आधार कार्ड में जन्मतिथि सुधरने से उनकी उच्च शिक्षा की राह आसान हुई। पहले आम नागरिकों को छोटी-छोटी समस्याओं या योजनाओं के लाभ के लिए दफ्तरों के चक्कर काटने पड़ते थे। लेकिन सीएम हेल्पलाइन 1076 ने इस पूरी व्यवस्था को बदलकर रख दिया है। अब टेक्नोलॉजी के माध्यम से शासन सीधे जनता के दरवाजे पर नजर आता है। प्रत्येक शिकायत पर एक यूनिक रजिस्ट्रेशन नंबर मिलता है और उच्च स्तर पर नियमित मॉनिटरिंग से अधिकारियों की जवाबदेही तय होती है।यह डिजिटल पहल समाज के अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति के लिए संबल बन गई है। बुजुर्गों को समय पर पेंशन, किसानों को समस्याओं का समाधान और युवाओं को समय पर सहायता मिलना इस बात का प्रमाण है कि यह योजना छत्तीसगढ़ सरकार के सबका साथ, सबका विकास और त्वरित समाधान के संकल्प का जीवंत दस्तावेज है।

विश्व जेलीफिश दिवस:समुद्र की रहस्यमयी दुनिया का अद्भुत जीव

सुनील कुमार वाजपेयी शिवम्

पृथ्वी पर जीवन की विविधता जितनी अद्भुत है, समुद्र की दुनिया उससे कहीं अधिक रहस्यमयी और आकर्षक है। समुद्र की गहराइयों में ऐसे असंख्य जीव निवास करते हैं, जिनकी बनावट, जीवनशैली और अस्तित्व वैज्ञानिकों के लिए आज भी शोध का विषय बने हुए हैं। इन्हीं विचित्र और आकर्षक समुद्री जीवों में एक है जेलीफिश, जिसे हिंदी में सामान्यत: जेलिफिश कहा जाता है। पारदर्शी शरीर, छतरीनुमा आकृति और लहराते स्पर्शकों वाला यह जीव समुद्री पारिस्थितिकी का महत्वपूर्ण हिस्सा है। जेलीफिश के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से 3 नवम्बर को विश्व जेलीफिश दिवस मनाया जाता है। जानिए की क्या है जेलीफिश? जेलीफिश समुद्र में पाया जाने वाला एक अकशेरुकी जीव है। इसका शरीर अत्यंत कोमल, पारदर्शी और जिलेटिन जैसा होता है। इसकी छतरी के आकार की ऊपरी संरचना के नीचे कई स्पर्शक लटकते रहते हैं। आमतौर पर लोग इसे मछली समझ लेते हैं, लेकिन वास्तव में यह मछली नहीं है। मछलियों के विपरीत जेलीफिश के पास रीढ़ की हड्डी, मस्तिष्क और हृदय नहीं होता। इसका शरीर लगभग 95 प्रतिशत या उससे अधिक जल से बना होता है। जेलीफिश की कई प्रजातियां समुद्र में पाई जाती हैं। कुछ आकार में बहुत छोटी होती हैं, जबकि कुछ प्रजातियों के स्पर्शक कई मीटर तक लंबे हो सकते हैं। जेलीफिश का जीवन और विशेषताएं समझें। जेलीफिश की सबसे अनूठी विशेषता उसका तैरने का तरीका है। यह अपने छतरीनुमा शरीर को



फैलाकर और सिकोड़कर पानी में आगे बढ़ती है। समुद्री धाराएं भी इसके आवागमन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इसके स्पर्शकों में विशेष प्रकार की डंक मारने वाली कोशिकाएं होती हैं, जिन्हें निमैटोसिस्ट कहा जाता है। इनकी सहायता से यह अपने शिकार को पकड़ती है और अपनी रक्षा करती है। कुछ प्रजातियों का डंक मनुष्यों के लिए सामान्य जलन पैदा करता है, जबकि कुछ अत्यंत विषैली भी हो सकती हैं। जेलीफिश मुख्यत: छोटे समुद्री जीवों, प्लवकों, मछलियों के अंडों और लार्वा का भोजन करती है। समुद्री पारिस्थितिकी में जेलीफिश समुद्री खाद्य श्रृंखला का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह छोटे समुद्री जीवों की आबादी को नियंत्रित करने में योगदान देती है। साथ ही कई समुद्री जीव, जैसे कुछ कछुए और अन्य शिकारी प्राणी, इसे भोजन के रूप में ग्रहण करते हैं। इस प्रकार जेलीफिश समुद्र में प्राकृतिक संतुलन बनाए रखने की प्रक्रिया में अपनी भूमिका निभाती है। वैज्ञानिकों के लिए भी यह जीव विशेष महत्व रखता है। इसकी कुछ प्रजातियों में जैविक प्रकाश उत्पन्न करने की क्षमता पाई जाती है। अंधेरे समुद्र में इनका चमकना प्रकृति के अद्भुत दृश्यों में शामिल है। विशेष रूप से क्रिस्टल जेलीफिश से प्राप्त हरे प्रतिदीप्ति प्रोटीन ने जैव चिकित्सा और कोशिका विज्ञान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण वैज्ञानिक अनुसंधान को आगे बढ़ाने में सहायता की है। जेलीफिश और पर्यावरणीय चुनौतियां की बात करें तो समुद्रों में बढ़ता प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन, समुद्री तापमान में वृद्धि और पारिस्थितिक संतुलन में बदलाव जेलीफिश सहित अनेक समुद्री जीवों के जीवन को प्रभावित कर रहे हैं। कुछ समुद्री क्षेत्रों में जेलीफिश की संख्या में असामान्य वृद्धि देखी गई है। इसके पीछे समुद्री तापमान, पोषक तत्वों की अधिकता, मछलियों की घटती संख्या और अन्य पर्यावरणीय कारक जिम्मेदार हो सकते हैं। जेलीफिश की अत्यधिक वृद्धि मत्स्य उद्योग, पर्यटन और समुद्री गतिविधियों को प्रभावित कर सकती है। इसलिए समुद्री पर्यावरण के अध्ययन और संरक्षण की आवश्यकता लगातार बढ़ रही है। मनुष्यों के लिए सावधानियां भी इसके प्रति रखना जरूरी है। समुद्र तट पर घूमते समय जेलीफिश को छूने से बचना चाहिए। समुद्र में तैरते समय स्थानीय प्रशासन और जीवनरक्षकों की चेतावनियों का पालन करना चाहिए।यदि किसी व्यक्ति को जेलीफिश डंक मार दे तो प्रभावित स्थान को रगड़ना नहीं चाहिए। समुद्री जीवों के डंक के उपचार में विशेषज्ञों की सलाह और स्थानीय चिकित्सा निर्देशों का पालन करना आवश्यक है। विश्व जेलीफिश दिवस हमें समुद्र की जैव विविधता को समझने और उसके संरक्षण के प्रति संवेदनशील बनने का संदेश देता है। समुद्र केवल जल का विशाल भंडार नहीं, बल्कि करोड़ों जीवों का घर है। प्लास्टिक प्रदूषण रोकना, समुद्री संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग करना और समुद्री पारिस्थितिकी की रक्षा करना हम सबकी जिम्मेदारी है। जेलीफिश भले ही देखने में विचित्र और कभी-कभी भय पैदा करने वाली लगे, लेकिन प्रकृति की व्यवस्था में उसका भी अपना महत्व है। उसके अस्तित्व को समझना ही समुद्री जीवन के संरक्षण की दिशा में एक सार्थक कदम है।

जैसी हमारी दृष्टि होती है, वैसी ही हमारी सृष्टि बनती हैः मुनि श्री समता सागर जी

कुण्डलपुर (दमोह) (विश्व परिवार)। संसार में ऐसा कोई विचार नहीं है जो सर्वथा गलत हो। प्रत्येक विचार को अनेकांत की दृष्टि से समझने की आवश्यकता है उपरोक्त उद्गारनिर्यापक श्रमण मुनि श्री समतासागर जी महाराज ने अनेकांतवाद के सिद्धांत को जीवन के व्यवहार से जोड़ते हुए कहे उन्होंने कहा कि किसी भी विचार को एकांत आग्रह के साथ प्रस्तुत करने पर वह गलत साबित हो सकता है,लेकिन दूसरे के अस्तित्व को स्वीकार करते हुए अपने अस्तित्व की स्वीकृति देना ही अनेकांत की वास्तविक भावना है। राष्ट्रीय प्रवक्ता अविनाश जैन 'विद्यावाणी' एवं क्षेत्रीय प्रचारमंत्री जयकुमार जैन 'जलज' ने बताया कि मुनि श्री ने कहा कि अनेकांत केवल दार्शनिक सिद्धांतों और शास्त्रों के रहस्यों को समझने का माध्यम नहीं है, बल्कि जीवन के व्यवहार में आने वाली समस्याओं का



समाधान भी इसी सिद्धांत से संभव है। हमें अपनी बात को ही सही मानने का आग्रह छोड़कर दूसरों के दृष्टिकोण को भी समझना चाहिए। उन्होंने एकांत और अनेकांत की चर्चा करते हुए कहा कि बाहर के वातावरण में अशांति और कोलाहल मिल सकती है, लेकिन वास्तविक शांति भीतर की स्थिरता और एकाग्रता में है। वातावरण का कोलाहल समाप्त होने के साथ विचारों का कोलाहल शांत होना भी आवश्यक है। जब मन में विचारों की स्थिरता आती है, तभी आत्मा की शांति और निराकुलता का अनुभव होता है। गुरुवर आचार्य श्री के दोहे कर्तापन की गंध बिन, सदा करे कर्तव्य, स्वामीपन ऊपर धरे, ध्रुव पर हो मंतव्य। की व्याख्या करते हुए मुनि श्री ने कहा कि मनुष्य को अपना कर्तव्य तो पूरी निष्ठा से करना चाहिए, लेकिन उसके भीतर कर्तृत्व का अहंकार नहीं आना चाहिए। मैंने किया, मेरे बिना यह काम नहीं होता,मैं ही सब कुछ कर रहा हूं, इस प्रकार का भाव कर्तृत्व बुद्धि है। आध्यात्मिक दृष्टि से यही अज्ञान का कारण बनता है। कर्तव्य और कर्तृत्व में अंतर समझाते हुए उन्होंने कहा कि कर्तव्य हमारी जिम्मेदारी है,जबकि कर्तृत्व में अहंकार और अपेक्षाएं जुड़ जाती हैं। जब हम किसी के लिए कुछ करते हैं और सामने से धन्यवाद, सम्मान या प्रत्युत्तर की अपेक्षा रखते हैं, तब अपेक्षा पूरी नहीं होने पर मन में दुख और अशांति पैदा होती है। हमने इतना किया, लेकिन उन्होंने याद तक नहीं किया, फोन तक नहीं किया, इस प्रकार के विकल्प कर्तृत्व भाव के कारण ही उत्पन्न होते हैं। इसके विपरीत कर्तव्य निभाने वाला व्यक्ति अपना दायित्व पूरा करके निश्चिंत रहता है और किसी से प्रतिफल की अपेक्षा नहीं करता। मुनि श्री ने निमित्त और उपादान के सिद्धांत को समझाते हुए कहा कि किसी भी कार्य की सफलता में केवल एक व्यक्ति का योगदान नहीं होता। उदाहरण देते हुये कहा कि एक शिक्षक सभी विद्यार्थियों को समान रूप से पढ़ाता है, लेकिन परिणाम सबके अलग-अलग आते हैं, कोई अच्छे अंक प्राप्त करता है तो कोई असफल हो जाता है तो इसका क्या कारण है? प्रत्येक विद्यार्थी का अपनी योग्यता और पुरुषार्थ है। शिक्षक, साधन और सुविधाएं निमित्त बनते हैं, जबकि कार्य की परिणति में उपादान की भूमिका भी महत्वपूर्ण होती है।

छठ पर्व की तैयारियों में जुटा भिलाई निगम

■ शहर के तालाबों एवं घाटों में युद्धस्तर पर चल रहा सफाई अभियान



भिलाईनगर (विश्व परिवार)। आगामी छठ पर्व को देखते हुए नगर पालिक निगम भिलाई ने शहर के तालाबों एवं छठ घाटों की साफ-सफाई की तैयारियां तेज कर दी हैं। पर्व के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु विभिन्न तालाबों एवं घाटों पर पहुंचकर सूर्य उपासना और छठ पूजा करते हैं। इसे ध्यान में रखते हुए निगम प्रशासन द्वारा शहर के सभी प्रमुख तालाबों एवं घाटों को स्वच्छ, सुंदर एवं व्यवस्थित बनाने के लिए विशेष सफाई अभियान चलाया जा रहा है।

निगम द्वारा प्रतिदिन अलग-अलग क्षेत्रों के तालाबों में विशेष सफाई अभियान संचालित किया जा रहा है। सफाई कार्य में निगम के नियमित एवं अन्य सफाई कर्मचारियों के साथ-साथ आवश्यकतानुसार मशीनों को भी लगाया जा रहा है। तालाबों में फैली जलकुंभी, तैरते हुए कचरे, प्लास्टिक एवं अन्य अपशिष्ट पदार्थों को निकालने का कार्य तेजी से किया जा रहा है। तालाबों के किनारों, सीढ़ियों एवं घाटों के आसपास जमा गंदगी को भी हटाया जा रहा है, जिससे श्रद्धालुओं को पूजा-अर्चना के दौरान स्वच्छ वातावरण मिल सके। छठ पर्व की तैयारियों को गंभीरता से लेते हुए निगम आयुक्त सुरूचि सिंह द्वारा विभिन्न तालाबों का निरीक्षण कर मौके पर कराए जा रहे सफाई कार्यों की मॉनिटरिंग की जा रही है। निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारियों एवं स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जा रहे हैं। आयुक्त द्वारा स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि छठ पर्व से पूर्व सभी प्रमुख तालाबों एवं घाटों की सफाई बेहतर तरीके से सुनिश्चित की जाए। सफाई कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए तथा जहां अधिक जलकुंभी एवं कचरा जमा है, वहां प्राथमिकता के आधार पर सफाई कराई जाए।

छठ पर्व के दौरान श्रद्धालु सुबह एवं शाम के समय तालाबों और घाटों पर पहुंचकर भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करते हैं।

शहरी स्वच्छता और बेहतर अपशिष्ट प्रबंधन को मिलेगी मजबूतीः राजवाड़े



■ शिवनंदनपुर में 65.07 लाख रुपये की लागत से बनने वाले एमआरएफएसएलआरएम सेंटर का भूमिपूजन

रायपुर (विश्व परिवार)। महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने आज सूरजपुर जिले की नगर पंचायत शिवनंदनपुर में 65.07 लाख रुपये की लागत से बनने वाले एमआरएफ-एसएलआरएम सेंटर के निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया। इस केंद्र के निर्माण से नगर में कचरे के पृथक्करण, पुनर्चक्रण और अपशिष्ट प्रबंधन की व्यवस्था को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी।

यह पहल नगर की स्वच्छता व्यवस्था को मजबूत करने के साथ स्वच्छ एवं सुंदर शिवनंदनपुर के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। केंद्र के माध्यम से कचरे के व्यवस्थित प्रबंधन को बढ़ावा मिलेगा और नगर को स्वच्छ बनाए रखने के प्रयासों को गति मिलेगी।

इस अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष श्री रितेश जायसवाल, श्री बाबूलाल अग्रवाल, श्री अजय गोयल, श्री ललित गोयल, श्री मनीबग्गा, श्री अंशुल गोयल सहित जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

अभाविप के आंदोलन के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन ने घटाया परीक्षा शुल्क, विद्यार्थियों को मिली बड़ी राहत

रायपुर (विश्व परिवार)। श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय द्वारा परीक्षा फॉर्म शुल्क में की गई वृद्धि के विरोध में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) के कार्यकर्ताओं ने विश्वविद्यालय परिसर में आंदोलन कर विरोध प्रदर्शन किया।

विश्वविद्यालय द्वारा पूर्व में परीक्षा फॉर्म का शुल्क 1,800 रुपये निर्धारित किया गया था, जिसे अचानक बढ़ाकर 2,800 रुपये कर दिया गया था। शुल्क में सीधे 1,000 रुपये की वृद्धि किए जाने से विद्यार्थियों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा था, जिसके चलते छात्र-छात्राओं में भारी असंतोष था।

विद्यार्थियों की इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए अभाविप कार्यकर्ताओं ने विश्वविद्यालय प्रशासन के समक्ष अपनी मांग रखी और शुल्क वृद्धि के विरोध में आंदोलन किया। अभाविप के आंदोलन के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन ने विद्यार्थियों की मांग स्वीकार करते हुए परीक्षा शुल्क 2,800 रुपये से



घटाकर 2,100 रुपये कर दिया। साथ ही परीक्षा फॉर्म भरने की अंतिम तिथि भी बढ़ाकर 07 नवंबर कर दी गई। इससे विद्यार्थियों को बड़ी राहत मिली है।

आंदोलन में मुख्य रूप से उपस्थिति छत्तीसगढ़ के प्रदेश सह मंत्री प्रथम राव फुटाने ने कहा कि, विश्वविद्यालयों का दायित्व विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना है, न कि उन पर अनावश्यक आर्थिक बोझ डालना। परीक्षा शुल्क में अचानक 1,000 रुपये की वृद्धि करना विद्यार्थियों के हितों के विपरीत था। अभाविप ने विद्यार्थियों की इस समस्या को लेकर आवाज उठाई, जिसके परिणामस्वरूप विश्वविद्यालय प्रशासन को शुल्क वृद्धि के निर्णय में संशोधन करना पड़ा।

आंदोलन में मुख्य रूप से अभाविप विश्वविद्यालय कार्यकारिणी अध्यक्ष अनूप तिवारी, जिला संयोजक शिवम योगी, रिद्धिमा , रुचिका, रवि, पायल, संकल्प, सुनय, श्रीयांश सहित अन्य कार्यकर्ता एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

अभाविप ने स्पष्ट किया कि विद्यार्थियों के हितों की रक्षा करना परिषद की प्राथमिकता है। जब-जब विद्यार्थियों के अधिकारों पर कुठाराघात होगा, तब-तब अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद विद्यार्थियों की आवाज बनकर संघर्ष करेगी।

मैट्स विश्वविद्यालय, रायपुर ने राष्ट्रव्यापी 'बचपन बचाओ अभियान' में निभाई सक्रिय भूमिका

■ स्कूली बच्चों को POCSO अधिनियम एवं बाल अधिकारों के प्रति किया जागरूक मेटस यूनिवर्सिटी



रायपुर (विश्व परिवार)। बच्चों के सुरक्षित भविष्य, अधिकारों के संरक्षण एवं बाल शोषण की रोकथाम के उद्देश्य से संचालित राष्ट्रव्यापी 'बचपन बचाओ अभियान' के अंतर्गत MATS University, Raipur के विधि विभाग एवं सामाजिक कार्य विभाग के विद्यार्थियों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (DLSA), रायपुर एवं दुर्ग के सहयोग से आयोजित इस अभियान के अंतर्गत विद्यार्थियों ने विभिन्न विद्यालयों में जाकर जागरूकता कार्यक्रम संचालित किए। अभियान के तहत विश्वविद्यालय की टीम ने GD Goenka International School, सेजबहार, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, मर्रा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग तथा स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल का दौरा कर कक्षा 6वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों को जागरूक किया।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों को POCSO अधिनियम, 2012, बाल अधिकारों, सुरक्षित एवं असुरक्षित स्पर्श, व्यक्तिगत सुरक्षा तथा बाल शोषण की रोकथाम के संबंध में सरल भाषा एवं व्यावहारिक उदाहरणों के माध्यम से जानकारी दी गई। साथ ही, किसी भी अनुचित व्यवहार की स्थिति में विश्वसनीय व्यक्ति को सूचित करने एवं कानूनी सहायता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया गया।

गृहमंत्री अमित शाह से प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने पूछे 5 सवाल

■ नक्सल मुक्त गांवों के 1 करोड़ रुपये, मुआवजा, जेलों में बंद आदिवासियों की रिहाई कब होगी?

रायपुर (विश्व परिवार)। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने गृहमंत्री के छत्तीसगढ़ दौरे पर उनसे पूछा कि अमित शाह जी छत्तीसगढ़ आ रहे है, उन्होंने बस्तर की पंचायतों से वादा किया था कि जो पंचायते नक्सल मुक्त हो जाएगी उन्हें 1 करोड़ रू. प्रोत्साहन राशि मिलेगी। जब आपने स्वयं मान लिया कि प्रदेश से 31 मार्च 2026 को नक्सलवाद समाप्त हो गया तब बस्तर सहित छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित क्षेत्रों की पंचायतों को यह राशि क्यों नहीं दी जा रही है? जिन गांवों को नक्सल मुक्त घोषित किया गया है, वहाँ के नागरिकों



और युवाओं को आज भी वह 1-1 करोड़ रुपये का विकास पैकेज या प्रोत्साहन राशि नहीं मिली, जिसका वादा गृह मंत्री अमित शाह ने 2025 के बस्तर पंडुम में किया गया था। नक्सल हिंसा से पीड़ित परिवार मुआवजा के लिए भटक रहे हैं, समर्पित नक्सली पुनर्वास योजनाओं के वायदों के पूरा होने की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा है कि आज भी जेलों में 4000 से अधिक आदिवासी नक्सल मददगार के लिए छोटी-छोटी धाराओं में जेलों में बंद है। आज जब दुर्दांत नक्सलियों के सारे गुनाह इस सरकार ने माफकर दिए हैं तो जिन हजारों निर्दोष आदिवासियों को नक्सली सहयोगी बताकर जेलों में बंद किया गया है उनकी रिहाई कब होगी?

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा है कि जब भी अमित शाह छत्तीसगढ़ आते हैं, बड़े-बड़े बयान देते हैं, लेकिन बस्तर के सुदूर अंचलों में खून-पसीने से सींचे गए आदिवासियों के सवालों पर चुप रहते हैं। पोलावरम परियोजना में छत्तीसगढ़ की आपत्ति को दरकिनार करके बांध की ऊंचाई बढ़ाने से बस्तर के आदिवासियों के साथ जो अत्याचार हो रहा है उस पर कब जवाब देंगे?

भिलाई-चरौदा के पार्षदो को मिला पिछले 04 माह से लंबित मानदेय

■ भुगतान, दीपावली से पूर्व निगम के अधिकारी/कर्मचारियो को भी किया गया सितंबर 2026 तक का वेतन

चरौदा (विश्व परिवार)। नगर निगम भिलाई-चरौदा के पार्षदो को माह जून 2026 से लेकर सितंबर 2026 तक का मानदेय वित्तीय आभाव के कारण अप्राप्त था। साथ ही निगम कर्मियो में विशेषकर अभियंता वर्ग को भी 02 से 03 माह से वेतन नही दिया गया था। इस पर निगम कमिश्नर एस.के.सुंदरानी द्वारा पिछले कार्य दिवस पर लेखा शाखा विभाग को निर्देशित कर समस्त अधिकारी/कर्मचारियो के वेतन एवं पार्षदो के मानदेय भुगतान संबंधी फाईलो को मंगाया। परिणाम स्वरूप श्री सुंदारानी की संवेदनशीलता के कारण दीपावली



त्यौहार से पूर्व ही अधिकारी/कर्मचारी तथा जनप्रतिनिधि (पार्षदो) के वेतन मानदेय का भुगतान आज सोमवार दिनांक 02 नवंबर 2026 की स्थिति में सितंबर माह तक का बैंक खातो में भेजा जा चुका है। इससे निगम के कर्मचारियो में ही नही वार्ड पार्षदों ने भी राहत की सांस ली है।

छत्तीसगढ़ भवन, नई दिल्ली में स्थापना दिवस समारोह हर्षोल्लास के साथ संपन्न

नई दिल्ली (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ भवन शासकीय कर्मचारी विभागीय समिति, नई दिल्ली द्वारा आज स्थापना दिवस समारोह हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ शासकीय वाहन चालक यांत्रिक कर्मचारी संघ के प्रांताध्यक्ष श्री मनीष ठाकुर विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ छत्तीसगढ़ महतारी के तैलचित्र पर दीप प्रज्ज्वलित कर पूजा-अर्चना एवं छत्तीसगढ़ के राजकीय गीत के सामूहिक गायन के साथ हुआ।

इस अवसर पर विशेष अतिथि श्री मनीष ठाकुर ने संगठन की मजबूती एवं हितों की रक्षा के लिए एकजुटता को आवश्यक बताते हुए सभी सदस्यों से आपसी समन्वय, सहयोग एवं संगठनात्मक एकता



बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि किसी भी संगठन की वास्तविक शक्ति उसकी एकता और सामूहिक प्रयासों में निहित होती है।

कार्यक्रम में श्री समय सिंह, कोषाध्यक्ष तथा ऑल इंडिया गवर्नमेंट ड्राइवर्स कन्फेडरेशन के वरिष्ठ सदस्य श्री राधेश्याम ने भी अपने अनुभव साझा किए तथा संगठन को मजबूत बनाने के संबंध में महत्वपूर्ण विचार व्यक्त किए। समारोह के दौरान समिति का निर्वाचन भी संपन्न हुआ। उपस्थित सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से पूर्व पदाधिकारियों पर पुनः विश्वास व्यक्त करते हुए श्री कन्हैया कुमार को अध्यक्ष, श्री नंदन सिंह गोसाई को सचिव तथा श्री नंद कुमार गोंड़ को कोषाध्यक्ष निर्वाचित किया।

नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने सभी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए समिति के उद्देश्यों की पूर्ति, संगठन की एकता तथा कर्मचारी हितों के संरक्षण के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का समापन आपसी सौहार्द, संगठनात्मक एकता एवं भविष्य में मिलकर कार्य करने के संकल्प के साथ हुआ।

विकसित राष्ट्र के साथ विकसित चेतना वाला मनुष्य भी जरूरी : अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज जी

■ तकनीक के साथ संस्कार, विकास के साथ करुणा और शिक्षा के साथ नैतिकता ही बनाएगी भारत को सच्चे अर्थों में विकसित राष्ट्र

औरंगाबाद (विश्व परिवार)। नरेंद्र पियुष जैन वर्ष 2047 में अपनी आजादी के 100 वर्ष पूर्ण करेगा। देश को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प आज प्रत्येक भारतीय के मन में है, लेकिन वास्तविक प्रश्न यह है कि क्या भारत केवल ऊंची इमारतों, चौड़ी सड़कों, आधुनिक तकनीक और बढ़ती अर्थव्यवस्था से विकसित बनेगा, या इसके साथ विकसित चेतना, श्रेष्ठ विचारों और संस्कारवान मनुष्यों का निर्माण भी होगा? यह विचार व्रत चक्रवर्ती, पट्टविभूषण अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज ने अपने मंगल प्रवचन में व्यक्त किए।

पुष्पगिरी तीर्थ सोनकच्छ में परम पूज्य पुष्पगिरी तीर्थ प्रणेता गणाचार्य श्री



पुष्पदंत सागरजी महाराज के पावन सानिध्य में अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज एवं उपाध्याय श्री पीयूष सागरजी महाराज ससंघ वर्षायोग हेतु विराजमान हैं। उनके सानिध्य में प्रतिदिन विभिन्न धार्मिक एवं आध्यात्मिक कार्यक्रम आयोजित हो रहे हैं। इसी क्रम में गुरु भक्तों को संबोधित करते हुए आचार्य श्री ने 2047 के भारत की कल्पना प्रस्तुत करते हुए कहा कि देश का विकास केवल भौतिक समृद्धि तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि प्रत्येक नागरिक के व्यक्तित्व, विचारों और चरित्र में भी विकास दिखाई देना चाहिए।

कैसा हो 2047 का युवा?

आचार्य श्री ने कहा कि 2047 का युवा केवल तकनीकी ज्ञान और करियर में दक्ष न हो, बल्कि उसके भीतर करुणा, संवेदनशीलता और संस्कार भी हों। वह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग करना जानता हो, तो भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक ज्ञान का महत्व भी समझता हो। आधुनिकता अपनाने में उसे संकोच न हो, लेकिन अपनी संस्कृति और परंपराओं पर गर्व भी हो।

शिक्षा का उद्देश्य केवल नौकरी नहीं, अच्छा इंसान बनाना हो

उन्होंने कहा कि शिक्षा ऐसी होनी चाहिए, जिसमें केवल अंक और डिग्रियां ही महत्वपूर्ण न हों, बल्कि नैतिक मूल्य, अनुशासन और मानवीय संवेदनाएं भी प्राथमिकता पाएं। बच्चा डॉक्टर, इंजीनियर और अधिकारी बनने के साथ-साथ एक अच्छा इंसान बनना भी सीखे। शिक्षा का उद्देश्य केवल रोजगार प्राप्त करना नहीं, बल्कि जीवन को श्रेष्ठ बनाना होना चाहिए।

परिवार में आधुनिकता के साथ संस्कार भी जरूरी

आचार्य श्री ने परिवार व्यवस्था पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 2047 में परिवार छोटे हो सकते हैं, लेकिन दिल छोटे नहीं होने चाहिए। बुजुर्गों को वृद्धाश्रम की नहीं, परिवार के आंगन में सम्मान और अपनत्व की आवश्यकता है। बच्चे माता-पिता से केवल आर्थिक जरूरतों के लिए नहीं, बल्कि प्रेम, संवाद और आत्मीयता के लिए भी जुड़ें। परिवार की असली संपत्ति धन-दौलत नहीं, बल्कि आपसी प्रेम और संस्कार हैं।

आर्थिक विकास का लाभ गांव और किसान तक पहुंचे

उन्होंने कहा कि ऐसी अर्थव्यवस्था का निर्माण होना चाहिए, जिसमें अमीर और गरीब के बीच की दूरी कम हो। किसान को भी उसके परिश्रम का उचित मूल्य मिले। विकास का लाभ केवल महानगरों और बड़े उद्योगों तक सीमित न रहकर गांवों और सामान्य नागरिकों तक पहुंचे।

राज्योत्सव पर 'भुइँया के गोठ' कार्यक्रम ने जीता दर्शकों का दिल, चरौदा पोर्टल लॉन्च

आरंग (विश्व परिवार)। रविवार को छत्तीसगढ़ राज्योत्सव के अवसर पर ग्राम चरौदा में आयोजित 'भुइँया के गोठ' सांस्कृतिक कार्यक्रम ने दर्शकों का दिल जीत लिया।

पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के तत्वावधान में आयोजित नुक्कड़ नाटक कार्यक्रम में भ्रष्टाचार मुक्त भारत बनाने पर जोर दिया गया। पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन के अधिकारी राहुल कुमार और युधिष्ठिर तारक ने ग्रामीणों को भ्रष्टाचार के विरुद्ध शपथ दिलाई।

कार्यक्रम की शुरुआत छत्तीसगढ़ महतारी के छायाचित्र पर पूजा-अर्चना और राजकीय गीत के साथ हुई। इस दौरान स्वयंसेवी संस्था पीपला वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा निर्मित 'एक क्लिक में चरौदा' पोर्टल का शुभारंभ ग्राम सरपंच देवशरण धीवर, फाउंडेशन के संरक्षक पारसनाथ साहू, संयोजक महेन्द्र पटेल



और एसएमसी अध्यक्ष चेतन पैगंबर ने किया। इस अवसर पर पारसनाथ साहू ने कहा कि इस पोर्टल के माध्यम से गांव की समस्त जानकारी डिजिटल हो गई है, जो अन्य पंचायतों और ग्रामों के लिए प्रेरणादायक है। वहीं सरपंच देवशरण धीवर ने इस नवाचार को अनुकरणीय बताते हुए इसके निर्माण में अहम भूमिका निभाने वाले महेन्द्र पटेल और पीपला फाउंडेशन की मुक्तकंठ से सराहना की और इस आयोजन के लिए पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन का आभार जताया।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

प्रादेशिकी

रायपुर, मंगलवार 03 नवंबर 2026

संक्षिप्त समाचार

वेदांता पावर का FY27 की दूसरी तिमाही में अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन, EBITDA में YoY 122% और राजस्व में 38% की दर्ज हुई बढ़ोतरी, मजबूत परिचालन दक्षता इस वृद्धि का प्रमुख कारण

नई दिल्ली: वेदांता पावर (NSE: VEDPOWER; BSE: 544781) ने आज 30 सितंबर 2026 को खत्म हुई तिमाही के अपने नतीजों की घोषणा की। इसमें कम्पनी ने अब तक का सबसे अच्छा तिमाही प्रदर्शन घोषित किया है। इस तिमाही में राजस्व साल-दर-साल (YoY) 38% बढ़कर 2,908 करोड़ रूपये और EBITDA 122% बढ़कर 421 करोड़ रूपये हुआ। कंपनी ने लाभ में भी अब तक की सबसे ज़्यादा वृद्धि दर्ज की है। इस तिमाही में एक्सेप्शनल आइटम्स से पहले प्रॉफ़िट आफ्टर टैक्स (PAT) 171% बढ़कर INR 101 Cr हो गया। यह रिकॉर्ड परफॉर्मेंस कंपनी की ग्रोथ जर्नी में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, क्योंकि मजबूत परिचालन दक्षता (ऑपरेशनल एग्जीक्यूशन) से राजस्व वृद्धि (अर्निंग्स ग्रोथ) में तेज़ी आती है। तिमाही-दर-तिमाही (QoQ) आधार पर प्रदर्शन भी उतना ही मज़बूत रहा। इसमें EBITDA 45% बढ़ा, जबकि प्रॉफ़िट 271त्न बढ़ा। यह अब तक की सबसे ज़्यादा तिमाही बिजली बिक्री की वजह से हुआ। यह वृद्धि कम्पनी के पूरे पोर्टफोलियो में मज़बूत बिजली उत्पादन और बिक्री को दिखाता है। एक बड़ी वित्तीय उपलब्धि हासिल करते हुए वेदांता पावर ने 0.21 पर अपनी पहली पॉज़िटिव अर्निंग्स पर शेयर (EPS) भी दर्ज की, साथ ही एक्सेप्शनल आइटम्स से पहले प्रॉफ़िटेबिलिटी टर्नअराउंड INR 101 करोड़ हुआ। FY27 की पहली छमाही में वेदांता पावर ने 5,515 करोड़ रूपये का राजस्व रिपोर्ट किया। यह YoY से 35% ज़्यादा है, EBITDA INR 712 करोड़ रुपये रहा, जो 17% ज़्यादा है।

Q2 एवं H1 FY27 का वित्तीय प्रदर्शन, सारडा एनर्जी एंड मिनरल्स लिमिटेड

मुंबई : सारडा एनर्जी एंड मिनरल्स लिमिटेड (BSE: 504614; NSE: SARDAEN) ('कंपनी') ने 30 सितंबर 2026 को समाप्त तिमाही और छमाही के लिए अपने अलेखापरीक्षित वित्तीय परिणामों की घोषणा की।

H1 FY27 में अब तक का सर्वाधिक EBITDA दर्ज, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 4 प्रतिशत बढ़कर 1,326 करोड़ रुपये रहा। H1 FY27 में कर पश्चात लाभ (PAT) 5 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 799 करोड़ रुपये रहा।

Q2 FY27 में EBITDA 564 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वर्ष की समान तिमाही की तुलना में 2.7 प्रतिशत कम है। प्रदर्शन पर 600 मेगावाट के थर्मल पावर प्लांट की एक 300 मेगावाट यूनिट के 47 दिनों के लिए निर्धारित रखरखाव बंदी तथा स्टील प्लांट में 30 मेगावाट टर्बाइन के प्रतिस्थापन का प्रभाव पड़ा। टर्बाइन ने अगस्त 2026 में दोबारा परिचालन शुरू किया।

H1 FY27 में ऊर्जा कारोबार आय का प्रमुख स्रोत बना रहा और कुल EBITDA में इसका योगदान 75 प्रतिशत से अधिक रहा। पेलेट प्लांट ने 4,29,059 मीट्रिक टन के उत्पादन के साथ अब तक का सर्वाधिक अर्धवार्षिक उत्पादन दर्ज किया।

खनन पोर्टफोलियो का विस्तार: कंपनी ने मैंगनीज अयस्क खनन क्षेत्र में प्रवेश किया। इसकी सहायक कंपनी Sarda Metals and Alloys Limited ने आंध्र प्रदेश में अवगुडेम मैंगनीज ब्लॉक हासिल किया।

पंचायतों का खजाना खाली, हाथों में कटोरा लेकर सड़क पर उतरे सरपंच!

30 करोड़ के मनरेगा भुगतान सहित कई मदों की राशि महीनों से अटकी, गरियाबंद में जनप्रतिनिधियों का अनोखा प्रदर्शन; तिरंगा चौक पर 20 मिनट तक चक्काजाम



गरियाबंद (विश्व परिवार)। गांवों की तस्वीर बदलने और विकास की इबारत लिखने का दावा करने वाली पंचायतें आज खुद आर्थिक बदहाली से जूझ रही हैं। हालात ऐसे हैं कि गांवों में विकास कार्य कराने वाले सरपंचों को अपने ही बकाया भुगतान के लिए हाथों में कटोरा लेकर सड़क पर उतरना पड़ा। कहीं मनरेगा की मजदूरी अटकी है तो कहीं निर्माण सामग्री का भुगतान महीनों से नहीं हुआ। मूलभूत सुविधाओं की राशि और जनप्रतिनिधियों का मानदेय भी लंबित है। पंचायतों की इसी बदहाली के खिलाफ सोमवार को गरियाबंद में जनप्रतिनिधियों का गुस्सा फूट पड़ा। जिला सरपंच संघ के नेतृत्व में जिलेभर के सरपंच, उपसरपंच और पंच कटोरा लेकर रैली में शामिल हुए और शासन-प्रशासन के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया।

कलेक्ट्रेट से निकली रैली, कटोरा दिखाकर मांगा पंचायतों का हक- प्रदर्शन की शुरुआत कलेक्ट्रेट परिसर से हुई। यहां से सरपंचों की रैली सिविल लाइन होते हुए बस स्टैंड पहुंची और फिर तिरंगा चौक पर पहुंचकर विरोध प्रदर्शन में बदल गई। हाथों में कटोरे और मांगों से जुड़ी तख्तियां लेकर पहुंचे जनप्रतिनिधियों ने जमकर नारेबाजी की। कटोरा लेकर किया गया यह प्रदर्शन पंचायतों की बदहाल आर्थिक स्थिति का प्रतीक बन गया। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि गांवों के विकास की जिम्मेदारी पंचायतों को दी गई है, लेकिन जब काम कराने के बाद भुगतान ही नहीं मिलेगा तो विकास कार्य कैसे आगे बढ़ेंगे?

तिरंगा चौक पर तालपट्टी **बिछाकर सड़क पर बैठे सरपंच, 20 मिनट तक चक्काजाम-** तिरंगा चौक पहुंचते ही आंदोलन ने उग्र रूप ले लिया। सरपंच संघ के पदाधिकारियों और सदस्यों ने चौक पर तालपट्टी बिछाकर सड़क पर ही मोर्चा खोल दिया। करीब 15 से 20 मिनट तक चक्काजाम कर शासन-प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की गई। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने कटोरे लेकर प्रतीकात्मक रूप से भीख मांगी और पंचायतों की आर्थिक बदहाली को लेकर अपना आक्रोश जताया। चक्काजाम के चलते चौक पर आवागमन भी प्रभावित हुआ। जनप्रतिनिधियों ने दो टूक कहा कि पंचायतों को जिम्मेदारियां तो लगातार सौंपी जा रही हैं, लेकिन उन जिम्मेदारियों को निभाने के लिए जरूरी राशि नहीं दी जा रही।

30 करोड़ के काम पूरे, आठ महीने से भुगतान की राह देख रहीं पंचायतें- जिला सरपंच संघ के अनुसार जिले की ग्राम पंचायतों में मनरेगा के तहत करीब 30 करोड़ रुपये के कार्य कराए जा चुके हैं, लेकिन मजदूरी और सामग्री का भुगतान लगभग आठ महीने से लंबित है। इससे पंचायतों की आर्थिक स्थिति बिगड़ती जा रही है और विकास गतिविधियां प्रभावित हो रही हैं। संघ ने बताया कि मूलभूत सुविधाओं और 16वें वित्त आयोग की राशि भी जारी नहीं होने से पंचायतों के सामने गंभीर आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। वहीं मूल्यांकन एवं सत्यापन पूरा होने के बावजूद कई निर्माण कार्यों का भुगतान पांच से छह महीने से अटका हुआ है। उपसरपंचों और पंचों का मानदेय भी अब तक नहीं मिला है।

कटोरा लेकर सड़क पर उतरने की नौबत क्यों आई?- सरपंच संघ ने शासन के सामने कई प्रमुख मांगें रखीं। इनमें मनरेगा की लंबित मजदूरी एवं सामग्री की राशि तत्काल जारी करना, मूलभूत और 16वें वित्त आयोग की राशि उपलब्ध कराना, पंचायत कर्मचारियों का भुगतान सुनिश्चित करना तथा उपसरपंचों एवं पंचों का बकाया मानदेय जारी करना शामिल है। इसके साथ ही मूल्यांकन और सत्यापन पूरा हो चुके निर्माण कार्यों की राशि जारी करने तथा लंबित फाइलों का शीघ्र निराकरण करने की मांग उठाई गई। हाल ही में हुई बेमौसम बारिश से फसलों को हुए नुकसान का सर्वे कर प्रभावित किसानों को उचित मुआवजा देने की मांग भी ज्ञापन में शामिल की गई।

दीपावली तक भुगतान नहीं हुआ तो होगा घेराव, फिर सड़क पर उतरेगा आंदोलन- जिला सरपंच संघ ने मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव, पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री, कलेक्टर और जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से दीपावली से पहले सभी लंबित राशियों का भुगतान करने की मांग की गई। संघ ने चेतावनी दी कि तय समयसीमा में मांगों का निराकरण नहीं हुआ तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा। इसके तहत शासन-प्रशासन का घेराव और चक्काजाम जैसे लोकतांत्रिक एवं शांतिपूर्ण आंदोलन किए जाएंगे।

जिलेभर के जनप्रतिनिधियों ने दिखाई एकजुटता- प्रदर्शन में जिला सरपंच संघ के अध्यक्ष हरीश साहू, संरक्षक पन्ना लाल ध्रुव, कार्यकारी अध्यक्ष कोमल देव ध्रुव, कोषाध्यक्ष हलमन ध्रुवा, सचिव पवन सिंह यादव सहित जिला उपाध्यक्ष पद्मा मोती निषाद (फिंगेश्वर), घनश्याम मरकाम (मैनपुर), चम्पेश्वर ध्रुव (छुरा), नरेंद्र ध्रुव (गरियाबंद) और रोशनी प्रधान (देवभोग) समेत जिलेभर के सरपंच, उपसरपंच एवं पंच शामिल हुए। सभी ने एकजुट होकर लंबित भुगतान तत्काल जारी करने और पंचायतों की आर्थिक समस्याओं का समाधान करने की मांग उठाई।

दिल्ली के रामलीला मैदान में गरजे गरियाबंद के कांग्रेसी, 100 से अधिक कार्यकर्ताओं ने भरी हुंकार



'वोट बचाव-देश बचाव' आंदोलन में सुखचंद बेसरा के नेतृत्व में पहुंचे कांग्रेसी, केंद्र सरकार के खिलाफ बुलंद की आवाज

गरियाबंद (विश्व परिवार)। दिल्ली के ऐतिहासिक रामलीला मैदान में लोकतंत्र की रक्षा और मताधिकार की सुरक्षा को लेकर आयोजित कांग्रेस के देशव्यापी आंदोलन में गरियाबंद की दमदार मौजूदगी ने सियासी हलचल तेज कर दी। जिले के 100 से अधिक कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने दिल्ली पहुंचकर आंदोलन में जोरदार भागीदारी निभाई और केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर हुंकार भरी। जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुखचंद बेसरा के नेतृत्व में पहुंचे कार्यकर्ताओं ने एकजुटता का परिचय देते हुए राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित इस आंदोलन को मजबूती प्रदान की। रामलीला मैदान में चारों ओर गूंजते 'वोट बचाव-देश बचाव' के नारों के बीच गरियाबंद के कांग्रेसियों ने भी अपनी आवाज बुलंद की। कार्यकर्ताओं ने लोकतंत्र की रक्षा, निष्पक्ष चुनाव व्यवस्था और आम जनता के मताधिकार की सुरक्षा को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा। आंदोलनकारियों का कहना था कि लोकतंत्र की असली ताकत जनता का वोट है और इस अधिकार को सुरक्षित रखना हर नागरिक का संवैधानिक दायित्व है।

संगठन की ताकत का दिखा दम, एकजुट होकर पहुंचे कार्यकर्ता- जिले के विभिन्न क्षेत्रों से दिल्ली पहुंचे कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं की बड़ी संख्या ने संगठन की सक्रियता और एकजुटता का संदेश दिया। सुखचंद बेसरा के नेतृत्व में गरियाबंद जिले की प्रभावशाली भागीदारी ने राष्ट्रीय आंदोलन में जिले की मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यकर्ताओं ने पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के साथ कदम से कदम मिलाकर केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ अपना विरोध जताया।

लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए संघर्ष रहेगा जारी : सुखचंद बेसरा- जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुखचंद बेसरा ने कहा कि लोकतंत्र और संविधान की रक्षा कांग्रेस की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मतदाताओं के अधिकारों की सुरक्षा और चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए पार्टी का संघर्ष लगातार जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस जनता के अधिकारों की आवाज बनकर सड़क से लेकर सदन तक अपनी लड़ाई जारी रखेगी।

गरियाबंद जिले के 100 से अधिक कांग्रेस कार्यकर्ताओं की दिल्ली में इस सक्रिय भागीदारी को संगठन की एकजुटता, मजबूत इच्छाशक्ति और राष्ट्रीय मुद्दों के प्रति प्रतिबद्धता के रूप में देखा जा रहा है। रामलीला मैदान से उठी यह आवाज साफ संदेश दे गई कि लोकतंत्र और मताधिकार की रक्षा के मुद्दे पर कांग्रेस का आंदोलन थमने वाला नहीं है।

ग्राम तीरथा में विधिक जागरूकता शिविर आयोजित

ग्रामीणों को विधिकअधिकारों एवं कानूनी दायित्वों की दी गई जानकारी



जगदलपुर/ प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के निर्देशन में 01 नवंबर 2026 को विकासखंड लोहण्डीगुड़ा के ग्राम तीरथा में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में जिला न्यायाधीश उदयलक्ष्मी सिंह एवं मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्री शिवप्रकाश त्रिपाठी द्वारा ग्रामीणों को विभिन्न विधिक प्रावधानों, उनके अधिकारों तथा कानूनी संरक्षण के संबंध में जानकारी प्रदान की गई।

न्यायिक अधिकारियों ने अपने संबोधन में कहा कि किसी व्यक्ति को कानून की जानकारी न होना उसे कानून के उल्लंघन के कानूनी परिणामों से मुक्त नहीं करता। इसलिए विधिक जागरूकता का मुख्य उद्देश्य प्रत्येक नागरिक को प्रचलित कानूनों, उनके अधिकारों एवं दायित्वों की जानकारी प्रदान करना है, ताकि नागरिक कानून का पालन करते हुए स्वयं को तथा समाज को अपराधों से सुरक्षित रख सकें।

शिविर के दौरान ग्रामीणों को निःशुल्क विधिक सहायता एवं विधिक सलाह की उपलब्धता के संबंध में विस्तार से बताया गया। उन्हें अवगत कराया गया कि आर्थिक अथवा अन्य सामाजिक कारणों से कोई भी व्यक्ति न्याय प्राप्त करने से वंचित न रहे, इसके लिए विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से पात्र व्यक्तियों को निःशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराई जाती है।

इसके अतिरिक्त बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम के प्रावधानों की जानकारी देते हुए बाल विवाह के दुष्परिणामों तथा इसकी रोकथाम में समाज की भूमिका पर प्रकाश डाला गया। लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम के संबंध में जानकारी देते हुए बच्चों के प्रति होने वाले लैंगिक अपराधों, उनके संरक्षण तथा ऐसी घटनाओं की सूचना देने की कानूनी प्रक्रिया से अवगत कराया गया।

इसी क्रम में मोटर यान अधिनियम के प्रमुख प्रावधानों की जानकारी देते हुए यातायात नियमों के पालन, वाहन चलाते समय आवश्यक सावधानियों, हेलमेट एवं सीट बेल्ट के उपयोग तथा सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के महत्व को समझाया गया।

शिविर के दौरान ग्रामजनों ने वाहन चालन अनुज्ञप्ति (ड्राइविंग लाइसेंस) बनवाने एवं वाहनों का बीमा कराने में आ रही व्यावहारिक कठिनाइयों से न्यायिक अधिकारियों को अवगत कराया। इस पर उपस्थित थाना प्रभारी को निर्देशित किया गया कि वे इस संबंध में विशेष अभियान संचालित कर ग्रामजनों को वाहन चालन अनुज्ञप्ति बनवाने एवं वाहनों का बीमा कराने की प्रक्रिया में आवश्यक सहयोग प्रदान करें, ताकि ग्रामीणों को इन सुविधाओं का लाभ सहजता से मिल सके तथा वे यातायात संबंधी वैधानिक प्रावधानों का पालन कर सकें।

न्यायिक अधिकारियों ने ग्रामीणों से अपील की कि वे अपने अधिकारों एवं कानूनी दायित्वों के प्रति जागरूक रहें तथा किसी भी विधिक समस्या अथवा विवाद की स्थिति में विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से उपलब्ध सहायता एवं सलाह का लाभ उठाएं।

शिविर का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में विधिक जागरूकता का विस्तार करना तथा आमजन तक न्यायिक एवं विधिक सहायता की पहुंच सुनिश्चित करना रहा।

कोपरा में पटपर झांकी ने मचाई धूम, मां काली और दुर्गा के दिव्य स्वरूपों ने मोहा मन

राज्य उत्सव पर उमड़ा आस्था का सैलाब, हजारों श्रद्धालुओं की मौजूदगी में देर रात तक गूंजते रहे जसगीत और माता के जयकारे

गरियाबंद (विश्व परिवार)। कोपरा के स्कूल मैदान में रविवार की रात आस्था का ऐसा सैलाब उमड़ा कि पूरा नगर भक्तिमय हो उठा। कहीं मां काली के रौद्र रूप की झलक, तो कहीं मां दुर्गा के दिव्य स्वरूप का दर्शन। गूंजते जसगीत, मनमोहक धार्मिक झांकियां और माता के जयकारों ने ऐसा समां बांधा कि श्रद्धालु देर रात तक पलकें झपकाना भूल गए। राज्य उत्सव के अवसर पर आयोजित इस भव्य धार्मिक कार्यक्रम में हजारों की भीड़ ने कोपरा में नया इतिहास रच दिया।

नगर पंचायत कोपरा में शीतला गणेश उत्सव समिति बस स्टैंड की ओर से पहली बार छत्तीसगढ़ की प्रसिद्ध 'दाई के दुलरवा जस झांकी पटपर' मंडली की भव्य प्रस्तुति आयोजित की गई। कार्यक्रम में गरियाबंद जिले सहित आसपास के क्षेत्रों से हजारों श्रद्धालु पहुंचे। स्कूल मैदान देखते ही देखते लोगों से खचाखच भर गया। आयोजन की भव्यता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि कार्यक्रम शुरू होने से पहले ही मैदान और आसपास के क्षेत्रों में लोगों की भारी भीड़ जुटने लगी थी।

मां काली के रौद्र रूप और दुर्गा के दिव्य स्वरूप ने बांधा समां- मंच पर जैसे ही जसगीतों की मधुर और ऊर्जावान गूंज शुरू हुई, पूरा वातावरण भक्तिरस में डूब गया। मां काली के अद्भुत रूप, मां दुर्गा के विभिन्न स्वरूपों और पौराणिक प्रसंगों पर आधारित आकर्षक झांकियों ने श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कलाकारों की शानदार प्रस्तुति और



जीवंत मंचन ने धार्मिक कथाओं को मानो साक्षात सामने ला दिया।

झांकियों के दौरान मैदान में मौजूद श्रद्धालु माता के जयकारे लगाते रहे। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक हर कोई इस अनूठी प्रस्तुति का आनंद लेता नजर आया। कई श्रद्धालुओं ने अपने मोबाइल में झांकियों और जसगीतों के वीडियो रिकॉर्ड किए।

सोशल मीडिया पर पहले से था पटपर झांकी का क्रेज- कोपरा में पटपर झांकी के आयोजन को लेकर पहले से ही लोगों में जबरदस्त उत्सुकता थी। सोशल मीडिया पर जसगीतों और झांकियों से जुड़े वीडियो तथा रील लगातार चर्चा में थे। आयोजन संपन्न होने के बाद स्कूल मैदान की तस्वीरें और वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से प्रसारित होने लगे।

स्थानीय लोगों के बीच चर्चा रही कि कोपरा में पहली बार इतने बड़े स्तर पर धार्मिक झांकियों और जसगीतों की प्रस्तुति देखने को मिली है। हजारों श्रद्धालुओं की मौजूदगी ने इस आयोजन को यादगार बना दिया। लोगों ने कहा कि इस तरह का भव्य धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम कोपरा के लिए विशेष उपलब्धि है।

समिति अध्यक्ष अंकित राजपूत ने जताया आभार- भव्य आयोजन की सफलता पर शीतला गणेश उत्सव समिति के अध्यक्ष अंकित राजपूत ने श्रद्धालुओं, सहयोगियों और नगरवासियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं का पहुंचना माता के प्रति लोगों की अटूट आस्था और विश्वास का प्रमाण है।

उन्होंने कहा कि इस सफल आयोजन के पीछे सबसे बड़ी ताकत कोपरा की जनता और श्रद्धालुओं का सहयोग रहा। शीतला गणेश उत्सव समिति बस स्टैंड की पूरी टीम और नगरवासियों ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए दिन-रात मेहनत की। सभी साथियों के अथक प्रयास और समर्पण से ही इतना भव्य आयोजन संभव हो पाया।

पुलिस प्रशासन की व्यवस्था की भी हुई सराहना- समिति ने कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा व्यवस्था संभालने के लिए पुलिस प्रशासन का विशेष आभार जताया। अध्यक्ष अंकित राजपूत ने कहा कि हजारों की भीड़ के बीच सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखना बड़ी जिम्मेदारी थी। पुलिस विभाग के अधिकारियों और जवानों ने पूरे कार्यक्रम के दौरान जिस मुस्तैदी से व्यवस्था संभाली और भीड़ को नियंत्रित किया, उसके लिए समिति उनका हृदय से धन्यवाद करती है।

फोनपे के 24के डिजिटल गोल्ड कैशबैक ऑफ़र के साथ मनाएं धनतेरस

रायपुर। फोनपे ने धनतेरस के मौके पर 24के डिजिटल गोल्ड पर शानदार कैशबैक ऑफ़र की घोषणा की है। यूज़र्स फोनपे से कम से कम 2000 रुपए का डिजिटल गोल्ड खरीदने पर फ़्लैट 2प्रतिशत कैशबैक पा सकते हैं। यह ऑफ़र 6 नवंबर, 2026 को सिर्फ़ एक बार के ट्रांज़ैक्शन के लिए लागू है । ऑफ़र का लाभ उठाने के लिए ग्राहकों को कम से कम 2000 रुपये का 24के डिजिटल गोल्ड खरीदना होगा। डिजिटल रूप से खरीदे गए सर्टिफाइड 24के गोल्ड पर कोई मेकिंग चार्ज नहीं लगता और इसे बैंक-ग्रेड के सुरक्षित लॉकरों में मुफ्त रखा जाता है। अपना जमा किया हुआ गोल्ड बेचने पर, पैसे 48 घंटों के भीतर उनके बैंक अकाउंट में जमा कर दिए जाते हैं। सबसे शुद्ध गोल्ड उपलब्ध कराने के लिए, फोनपे ने प्रमुख प्रोवाइडर एमएमटीसी-पीएएमपी और सेफगोल्ड के साथ साझेदारी की है। ट्रांसपेरेंट प्राइसिंग के कमिटमेंट के साथ, यह प्लेटफ़ॉर्म पूरे भारत में 2.9 करोड़ से अधिक ग्राहकों के लिए एक भरोसेमंद विकल्प बन गया है, जिन्होंने यहाँ से उच्च शुद्धता वाला 24 कैरेट गोल्ड खरीदा है। फोनपे पर गोल्ड खरीदते समय इस खास कैशबैक ऑफ़र का फ़ायदा उठाने के लिए यहां स्टेप-बाय-स्टेप गाइड दी गई है: फोनपे होमपेज पर गोल्ड खरीदें आइकन पर क्लिक करें। रुपए में खरीदें चुनें और कम से कम 2000 रुपये का 24के गोल्ड जोड़ें। अपने गोल्ड की खरीद की फ़ाइनल डिटेल्स चेक करें और पेमेंट के लिए आगे बढ़े पर क्लिक करें, और ऑफ़र का फ़ायदा उठाएँ। ऑफ़र 6 नवंबर 2026, सुबह 00:00 बजे से 6 नवंबर 2026, रात 11:59 बजे तक सिर्फ़ एक बार के ट्रांज़ैक्शन पर वैलिड है। ऑर्डर की न्यूनतम वैल्यू 2000 रुपये है। यह एसआईपी ट्रांज़ैक्शन पर मान्य नहीं है।

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com
रायपुर, मंगलवार 03 नवम्बर 2026

वनांचल में धर्मांतरण के जाल पर कड़ा प्रहार

■ विधायक भावना बोहरा एवं समाज प्रमुखों के प्रयासों से 61 लोगों की मूल धर्म में हुई घर वापसी



पंडरिया (विश्व परिवार)। विधानसभा के वनांचल क्षेत्रों में अपनी धार्मिक, सांस्कृतिक और पारंपरिक विरासत के संरक्षण एवं सामाजिक जागरूकता की दिशा में पंडरिया विधायक भावना बोहरा एवं आदिवासी और बैगा समाज के प्रमुखों द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में वनांचल ग्राम महिडबरा में आयोजित संस्कृति गौरव सम्मलेन एवं अभिनंदन समारोह में विधायक भावना बोहरा एवं समाज प्रमुखों के सामूहिक प्रयासों से क्षेत्र के 10 गांवों के 61 लोगों की मूल धर्म में घर वापसी कर अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ें। इनमें कुशियारी, कारीढाप(बदना), कौआनार (बदना), खैरापारा (कुशियारी), घोघराखुर्द, सजनखार, छिरहा, परेवाछापर, छिरहा एवं नवापारा के लोग शामिल हैं। पारंपरिक रीति-रिवाजों एवं धार्मिक अनुष्ठानों के साथ विधायक भावना बोहरा और छत्तीसगढ़ बैगा समाज के प्रदेश अध्यक्ष श्री इतवारी राम मछिया जी, प्रदेश सलाहकार बैग समाज श्री गौठु राम बैगा जी, जिला अध्यक्ष बैगा समाज श्री सोनसाय बैगा जी, समाज पुजारी श्री गणेश टेकाम जी, संरक्षक आदिवासी समाज श्री तनगु आर्मो जी सहित आदिवासी समाज के पदाधिकारियों ने उनका अभिनंदन एवं स्वागत कर उनके पैर पखारकर उनके मूल धर्म में वापसी कराया। वनांचल क्षेत्रों में आदिवासी एवं बैगा समाज के लोगों द्वारा लगातार सामाजिक बैठकें और संवाद आयोजित किए जा रहे हैं। इन बैठकों का उद्देश्य समाज के लोगों को अपनी मूल धार्मिक आस्था, रीति-रिवाजों, परंपराओं, संस्कृति और पूर्वजों की विरासत के प्रति जागरूक करना है। उन्हें अपनी मूल आस्था और पारंपरिक सामाजिक-सांस्कृतिक पहचान से पुन: जुड़ने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इसी सामाजिक जागरूकता और सामूहिक संवाद के परिणामस्वरूप 61 लोगों ने अपनी इच्छा से मूल धर्म में वापसी की।

इस अवसर पर विधायक भावना बोहरा ने कहा कि आदिवासी और बैगा समाज हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, परंपराओं और प्रकृति के साथ गहरे जुड़ाव का प्रतीक हैं। उनकी अपनी विशिष्ट पहचान, पूजा पद्धति, रीति-रिवाज और जीवनशैली है, जिसे पीढ़ियों से हमारे पूर्वजों ने संजोकर रखा है। हमारी जिम्मेदारी है कि इस विरासत, आस्था और सांस्कृतिक पहचान का संरक्षण हो तथा आने वाली पीढ़ियां भी अपनी जड़ों और परंपराओं से परिचित रहें। वनांचल के गांवों में आदिवासी और बैगा समाज के प्रमुखों द्वारा लगातार बैठकें कर समाज को जागरूक करने और लोगों से संवाद स्थापित करने का जो प्रयास किया जा रहा है, वह सामाजिक एकजुटता की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। आज 10 गांवों के 61 लोगों का अपनी मूल धार्मिक आस्था से पुन: जुड़ना समाज के सामूहिक प्रयासों और जागरूकता का परिणाम है। वर्षों से वनांचल क्षेत्रों में योजनाबद्ध तरीके से धर्मांतरण का प्रयास किया गया, जिससे आदिवासी समाज की परंपराओं और सांस्कृतिक पहचान को कमजोर करने का काम हुआ। लेकिन अब समाज जागरूक हो रहा है और अपनी संस्कृति एवं मूल आस्था की ओर लौट रहा है। हमारी जनजातीय संस्कृति केवल हमारी पहचान ही नहीं, बल्कि हमारी अमूल्य धरोहर है। आदिवासी और बैगा समाज की परंपराओं, देवी-देवताओं, पूजा पद्धतियों, लोककला और रीति-रिवाजों को संरक्षित करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। समाज के वरिष्ठजनों, युवाओं और मातृशक्ति को आगे आकर अपनी सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के लिए निरंतर प्रयास करना चाहिए। हमारा उद्देश्य समाज में जागरूकता, समरसता और अपनी जड़ों के प्रति सम्मान की भावना को मजबूत करना है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ की डबल इंजन भाजपा सरकार जनजातीय समाज के सम्मान, अधिकारों, उत्थान और विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

कोपरा में पटपर झांकी ने मचाई धूम, मां काली और दुर्गा के दिव्य स्वरूपों ने मोहा मन

■ राज्य उत्सव पर उमड़ा आस्था का सैलाब, हजारों श्रद्धालुओं की मौजूदगी में देर रात तक गूंजते रहे जसगीत और माता के जयकारे



गरियाबंद (विश्व परिवार)। कोपरा के स्कूल मैदान में रविवार की रात आस्था का ऐसा सैलाब उमड़ा कि पूरा नगर भक्तिमय हो उठा। कहीं मां काली के रौद्र रूप की झलक, तो कहीं मां दुर्गा के दिव्य स्वरूप का दर्शन। गूंजते जसगीत, मनमोहक धार्मिक झांकियां और माता के जयकारों ने ऐसा समां बांधा कि श्रद्धालु देर रात तक पलकें झपकाना भूल गए। राज्य उत्सव के अवसर पर आयोजित इस भव्य धार्मिक कार्यक्रम में हजारों की भीड़ ने कोपरा में नया इतिहास रच दिया।

नगर पंचायत कोपरा में शीतला गणेश उत्सव समिति बस स्टैंड की ओर से पहली बार छत्तीसगढ़ की प्रसिद्ध 'दाई के दुलरवा जस झांकी पटपर' मंडली की भव्य प्रस्तुति आयोजित की गई। कार्यक्रम में गरियाबंद जिले सहित आसपास के क्षेत्रों से हजारों श्रद्धालु पहुंचे। स्कूल मैदान देखते ही देखते लोगों से खचाखच भर गया। आयोजन की भव्यता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि कार्यक्रम शुरू होने से पहले ही मैदान और आसपास के क्षेत्रों में लोगों की भारी भीड़ जुटने लगी थी।

मां काली के रौद्र रूप और दुर्गा के दिव्य स्वरूप ने बांधा समां

मंच पर जैसे ही जसगीतों की मधुर और ऊर्जावान गूंज शुरू हुई, पूरा वातावरण भक्तिरस में डूब गया। मां काली के अद्भुत रूप, मां दुर्गा के विभिन्न स्वरूपों और पौराणिक प्रसंगों पर आधारित आकर्षक झांकियों ने श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कलाकारों की शानदार प्रस्तुति और जीवंत मंचन ने धार्मिक कथाओं को मानो साक्षात सामने ला दिया। झांकियों के दौरान मैदान में मौजूद श्रद्धालु माता के जयकारे लगाते रहे। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक हर कोई इस अनूठी प्रस्तुति का आनंद लेता नजर आया। कई श्रद्धालुओं ने अपने मोबाइल में झांकियों और जसगीतों के वीडियो रिकॉर्ड किए। कोपरा में पटपर झांकी के आयोजन को लेकर पहले से ही लोगों में जबरदस्त उत्सुकता थी। सोशल मीडिया पर जसगीतों और झांकियों से जुड़े वीडियो तथा रील लगातार चर्चा में थे।

जनता के द्वार पर विधायक की महा-चौपाल



■ धरसींवा में 21 नवंबर से शुरू हो रही अनुज शर्मा की 'सेवा संवाद यात्रा'

खरोरा (विश्व परिवार)। धरसींवा विधानसभा क्षेत्र के सर्वांगीण विकास, जन-सेवा और सुशासन को जमीनी स्तर पर सुदृढ़ करने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक संपन्न हुई। धरसींवा स्थित 'सेवा सदन' में आयोजित इस बैठक में आगामी 21 नवंबर से आरंभ होने वाली बहुप्रतीक्षित 'सेवा संवाद यात्रा' के सुव्यवस्थित एवं प्रभावी संचालन को लेकर व्यापक रणनीति तैयार की गई। इस बैठक में क्षेत्र के प्रमुख भाजपा नेता, पार्टी पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष एवं ऊर्जावान कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

जन-सेवा और विकास हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता: विधायक अनुज शर्मा

बैठक को संबोधित करते हुए विधायक अनुज शर्मा ने भावुक और संकल्पित स्वर में कहा, धरसींवा विधानसभा मेरा परिवार है, और यहाँ के हर एक नागरिक की सेवा करना मेरा सर्वोपरि कर्तव्य है। हमारी सरकार 'सबका साथ, सबका विकास' के मूल मंत्र के साथ आम जनता के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। यह 'सेवा संवाद यात्रा' केवल एक राजनीतिक दौरा नहीं है, बल्कि जनता के साथ सीधा संवाद स्थापित कर उनकी उम्मीदों को धरातल पर उतारने का एक महाअभियान है। उन्होंने आगे कहा कि धरसींवा क्षेत्र के चहुँमुखी विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, बुनियादी सुविधाओं और रोज़गार के अवसरों को बढ़ाने तथा डबल इंजन सरकार की नीतियों के अनुरूप क्षेत्र के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुँचाने के लिए हमारी पूरी टीम पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण भाव के साथ तत्पर है।

यह 'सेवा संवाद यात्रा' आगामी 21 नवंबर से प्रारंभ होकर पूरे एक महीने तक अनवरत चलेगी। इस वृहद महाअभियान के तहत विधायक अनुज शर्मा अपनी पूरी टीम के साथ धरसींवा विधानसभा क्षेत्र के सभी 144 गाँवों, नगर पंचायतों के वार्डों और हर एक बूथ तक पहुँचेंगे, ताकि नागरिकों से सीधा और आत्मीय संवाद स्थापित किया जा सके।

जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ और समस्या निवारण शिविर

बैठक में यात्रा की रूपरेखा और सफलता को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य छत्तीसगढ़ सरकार की विभिन्न जनहितकारी योजनाओं को हर घर तक पहुँचाना और पात्र हितग्राहियों को उनका शत-प्रतिशत लाभ दिलाना है। जनता की सहूलियत के लिए यात्रा के दौरान विशेष 'समस्या निवारण शिविर' आयोजित किए जाएंगे, जहाँ प्राप्त होने वाले स्थानीय आवेदनों और जनसमस्याओं के त्वरित निराकरण हेतु विशेष प्रशासनिक समन्वय बनाया जाएगा। इसके साथ ही क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों का निरीक्षण कर नए कार्यों का लोकार्पण व भूमिपूजन भी किया जाएगा।

वरिष्ठ नेताओं व कार्यकर्ताओं ने लिया ऐतिहासिक बनाने का संकल्प

इस महाअभियान को व्यापक बनाने के लिए यात्रा में मातृशक्ति और युवाओं की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित की गई है। इस महत्वपूर्ण बैठक में मुख्य रूप से प्रभारी सुरेंद्र पाटनी,सविता चंद्राकर,शकुन्तला ढीलेंद्र सेन, रश्मि वर्मा, शिवशंकर वर्मा, अशोक सिन्हा, अरविंद ठाकुर, राकेश यादव, चंद्रकांत साहू, सुनील शर्मा, हरिशंकर वर्मा, सोना वर्मा, गोविंद साहू, रॉबिन साहू, योगेश साहू, मोहन प्रजापति, किरन साहू सहित बड़ी संख्या में वरिष्ठ पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष एवं युवा मोर्चा के ऊर्जावान कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी कार्यकर्ताओं ने एक स्वर में 'सेवा संवाद यात्रा' को ऐतिहासिक बनाने और इसका संदेश घर-घर तक पहुँचाने का संकल्प लिया।

सफाई निरीक्षण के दौरान त्यौहार में शहर की समुचित सफाई करने आयुक्त ने दिये निर्देश

राजनांदगांव (विश्व परिवार)। निगम आयुक्त श्री जी.आर. मरकाम सुबह सफाई व्यवस्था निरीक्षण के दौरान दीपावली त्यौहार को ध्यान में रखकर स्वास्थ्य कर्मचारियों से निर्धारित समय तक सम्पूर्ण क्षेत्र में साफ सफाई करने के निर्देश दियें। उन्होंने साफ सफाई रखने, सफाई में सहयोग करने नागरिकों से भी अपील की है।

आयुक्त श्री मरकाम सफाई निरीक्षण में शहर के भीतरी एवं बाहरी क्षेत्रों में सफाई का जायजा लेकर सफाई कर्मियों से रूबरू हो निर्धारित समय दोपहर 1 बजे तक साफ सफाई करने के निर्देश दिये। उन्होने कहा कि दीपावली त्यौहार को ध्यान में रखकर शहर के सम्पूर्ण क्षेत्रों में साफसफाई रखे। वर्तमान में त्यौहार के पूर्व सभी घरों में साफ सफाई की जा रही है, जिससे बहुतायत कचरा निकल रहा है,



कचरा निर्धारित स्थल एवं कचरा गाडी में डालने लोगों को समझाईस देवे, कचरा नाली में न डालने के साथ साथ व्यवसाईयों को भी समझाईस देवे कि वे दुकान के बाहर कचरा न डाले, दुकान बंद करने के पश्चात सड़क में कचरा न डाले उसे एक जगह एकत्रित कर सुबह कचरा गाडी में डाले। उन्होने स्वच्छता एवं सुगम यातायात की दृष्टिकोण से जय स्तम्भ चैक में पसरा वालो को भी फ्लाई ओव्हर के नीचे पसरा लगाने समझाईस दिए।

आयुक्त श्री मरकाम ने स्वच्छता निरीक्षक, सफाई दरोगा, वार्ड चपरासी से कहा कि सभी कर्मचारी निर्धारित समय तक कार्य करेंगे। बिना कारण किसी भी कर्मचारी को छुटटी न देवे, सभी कर्मचारी निर्धारित समय तक कार्य करेंगे, इसका विशेष ध्यान रखा जावे। मुक्कडों में कचरा रखा न रहे, नाली व नालो की नियमित सफाई करे, चैराहों एवं सड़कों में गंदगी न हो इसका विशेष ध्यान रखा जावे, सफाई में लापरवाही न हो इसका भी ध्यान रखे, लोगों को भी साफसफाई के प्रति जागरूक करे। उन्होंने कहा कि सफाई हमारी महती जिम्मेदारी है, इसका इमानदारी से निर्वाहन करे, लोगो को भी स्वच्छता प्रति जागरूक कर उन्हे स्वच्छता से जोडे।

भाजपा ने निकाली लोकतंत्र बचाओ अराजकता हटाओ भव्य पदयात्रा

■ बरसते पानी में हज़ारों लोग पदयात्रा में हुये शामिल, केन्द्रीय मंत्री मनसुख मांडविया ने किया पदयात्रा का नेतृत्व



जगदलपुर (विश्व परिवार)। भारतीय जनता पार्टी ने आज सोमवार को लोकतंत्र बचाओ अराजकता हटाओ भव्य पदयात्रा संभाग मुख्यालय जगदलपुर में निकाली। बरसते पानी के बीच हज़ारों की संख्या में लोग भाजपा की पदयात्रा में शामिल हुये। भाजपा की लोकतंत्र बचाओ अराजकता हटाओ पदयात्रा का नेतृत्व केन्द्रीय मंत्री मनसुख मांडविया ने किया। पदयात्रा में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव और कैबिनेट मंत्री केदार कश्यप प्रमुखता से शामिल हुये।

कांग्रेस व विपक्षी दलों सहित स्वार्थी अराजक तत्वों के खिलाफ भाजपा ने लोकतंत्र बचाओ अराजकता हटाओ पदयात्रा का आयोजन किया था। मांई दंतेश्वरी मंदिर के सामने भाजपा के नेताओं ने पहले विशाल जनसभा को संबोधित किया। जिसके बाद हज़ारों हज़ार लोगों के साथ भाजपा की भव्य पदयात्रा शहर में निकाली गयी। बिगड़े मौसम व बार बार बरसते बादलों के बीच जिले भर से हजारों कार्यकर्ता और नागरिक भाजपा की लोकतंत्र बचाओ अराजकता हटाओ पदयात्रा में उत्साह के साथ सम्मिलित हुये। पैलैस रोड, संजय मार्केट चौक, जिला महारानी अस्पताल रोड, चांदनी चौक, स्टेट बैंक चौक, मेन रोड, गोलबाजार,सिरहासार चौक से होकर भाजपा की भव्य पदयात्रा मांई दंतेश्वरी मंदिर के समक्ष पुन: पहुंच कर संपन्न हुई।

पाइप लाइन बिछाने के नाम पर तोडने से व्यापारी परेशान

दुर्ग। महाराजा चौक के पास बोरसी जाने वाली सडक़ पर नगर निगम द्वारा पानी की पाइप लाइन बिछाने का कार्य कराया जा रहा है। इस दौरान ठेकेदार नंद चंद्राकर पर एक दुकानदार की दुकान के सामने बनी सीढ़ी जेसीबी से तोडने और दुकान के प्रवेश मार्ग पर पाइप रखकर रास्ता बाधित करने का आरोप लगा है। इससे संबंधित दुकानदार को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। दुकानदार धर्मेंद्र कुमार ने दुर्ग निगम आयुक्त से मामले में हस्तक्षेप कर तत्काल राहत दिलाने की मांग की है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में निगम के अधिकारियों से शिकायत करने पर उन्हें जानकारी दी गई कि संबंधित ठेकेदार नंद चंद्राकर को फ्लिहाल उक्त स्थान पर काम करने से मना किया गया है, इसके बावजूद ठेकेदार द्वारा मनमानी करते हुए कार्य किया जा रहा है।

बंद अहातों में प्रतिबंधित सामान की बिक्री; भाजपा सरकार में आबकारी व्यवस्था बेलगाम : कांग्रेस



रायपुर (विश्व परिवार)। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता सत्यप्रकाश सिंह ने कहा कि प्रदेश में शराबबंदी और नियम-कानून की बात करने वाली सुशासन कि सरकार के राज में आबकारी व्यवस्था की जमीनी हकीकत उनके सुशासन की हकीकत बयां करती है। प्रदेश की राजधानी में आबकारी विभाग की नाक के नीचे अवैध अहाता संचालन और मनमाने वसूली का बड़ा खेल चल रहा है, रायपुर जिले में आबकारी विभाग द्वारा संचालित अहतो में न केवल प्रतिबंधित सामग्रियां बेखौफ बेची जा रही है बल्कि ग्राहकों से खुलेआम ओवर रेट भी वसूला जा रहा है,बंद अहातों में भी खुलेआम शराब पीने-पिलाने और प्रतिबंधित सामान की बिक्री की जा रही है! प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता सत्यप्रकाश सिंह ने कहा कि आहतो मैं पानी पाउच, डिस्पोजल और सिगरेट की बिक्री पर सख्त प्रतिबंध है, इसके बावजूद यह चीजे खुलेआम बेची जा रही है,जो ना केवल कानून व्यवस्था के साथ खिलवाड़ है बल्कि जन स्वास्थ्य के लिए भी गंभीर खतरा है! साथ ही ग्राहकों को हर एक सामान दो से तीन गुना दाम पर बेचा जा रहा है, जिससे यहां आने वाले प्रतिदिन 3 से 4 हज़ार लोगों से वसूली कर रोजाना लाखों रुपए के मुनाफे का अवैध खेल चल रहा है! जो इस सरकार की प्रशासनिक नाकामी की पोल खोलता है! अब आबकारी विभाग यह बताएं कि किसके संरक्षण में यह अवैध अहाते संचालित हो रहे हैं।

महादेव सट्टा एप के सरगना की गिरफ्तारी के बाद कांग्रेस जवाब देने के लिए तैयार रहें : भाजपा



रायपुर (विश्व परिवार)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता उवल दीपक ने महादेव सट्टा एप के मुख्य सरगना सौरभ चंद्राकर की गिरफ्तारी और उसे ओमान से भारत लाकर रायपुर कोर्ट में पेश किए जाने पर कांग्रेस पार्टी तथा पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पर तीखा हमला बोला है। श्री दीपक ने कहा कि सौरभ चंद्राकर की गिरफ्तारी के बाद से पूरी कांग्रेस पार्टी में भारी बेचैनी और चिंता का माहौल है, विशेषकर बघेल की नींद उड़ी हुई है। अब महादेव सट्टेबाजी का असली खेल और सच जनता के सामने आने वाला है। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्री दीपक ने कहा कि भूपेश बघेल के पिछले शासनकाल में जिस तरह युवाओं के भविष्य को दांव पर लगाकर महादेव सट्टा ऐप का 6,000 करोड़ रुपये का विशाल साम्राज्य फला-फूला, उसने यह स्पष्ट कर दिया है कि तत्कालीन कांग्रेस सरकार के लिए 'विकास' का असली अर्थ केवल सट्टेबाजी और भ्रष्टाचार को खुला संरक्षण देना था। भिलाई की एक छोटी-सी जूस की दुकान से शुरू होकर बुर्ज खलीफा तक फैले इस काले कारोबार के दौरान अधिकारियों और सत्ता के रसूखदारों को बाँटी गई 'प्रोटेक्शन मनी' इस बात का पुख्ता प्रमाण है कि यह संगठित लूट बिना शीर्ष स्तर के वरदहस्त के सम्भव नहीं थी। श्री दीपक ने कहा कि कांग्रेस सरकार के समय जहाँ आम जनता बुनियादी जरूरतों के लिए तरस रही थी, वहीं सत्ता के संरक्षण में सट्टे के पैसों से 200 करोड़ की भव्य शादियां और बॉलीवुड हस्तियों के जश्न मनाए जा रहे थे; कानून-व्यवस्था की धज्जियाँ उड़ाने वाली पूर्ववर्ती भूपेश सरकार को छत्तीसगढ़ की जनता कभी माफ नहीं करेगी। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्री दीपक ने कहा कि भाजपा की सरकार ने आते ही इस पूरे घोटाले की जाँच सीबीआई को सौंपी थी।

पंचायतों का खजाना खाली, हाथों में कटोरा लेकर सड़क पर उतरे सरपंच!

■ 30 करोड़ के मनरेगा भुगतान सहित कई मदों की राशि महीनों से अटकी, गरियाबंद में जनप्रतिनिधियों का अनोखा प्रदर्शन; तिरंगा चौक पर 20 मिनट तक चक्काजाम



गरियाबंद (विश्व परिवार)। गांवों की तस्वीर बदलने और विकास की इबारत लिखने का दावा करने वाली पंचायतें आज खुद आर्थिक बदहाली से जूझ रही हैं। हालात ऐसे हैं कि गांवों में विकास कार्य कराने वाले सरपंचों को अपने ही बकाया भुगतान के लिए हाथों में कटोरा लेकर सड़क पर उतरना पड़ा। कहीं मनरेगा की मजदूरी अटकी है तो कहीं निर्माण सामग्री का भुगतान महीनों से नहीं हुआ। मूलभूत सुविधाओं की राशि और जनप्रतिनिधियों का मानदेय भी लंबित है। पंचायतों की इसी बदहाली के खिलाफ सोमवार को गरियाबंद में जनप्रतिनिधियों का गुस्सा फूट पड़ा। जिला सरपंच संघ के नेतृत्व में जिलेभर के सरपंच, उपसरपंच और पंच कटोरा लेकर रैली में शामिल हुए और शासन-प्रशासन के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया।

कलेक्ट्रेट से निकली रैली, कटोरा दिखाकर मांगा पंचायतों का हक

प्रदर्शन की शुरुआत कलेक्ट्रेट परिसर से हुई। यहां से सरपंचों की रैली सिविल लाइन होते हुए बस स्टैंड पहुंची और फिर तिरंगा चौक पर पहुंचकर विरोध प्रदर्शन में बदल गई। हाथों में कटोरे और मांगों से जुड़ी तख्तियां लेकर पहुंचे जनप्रतिनिधियों ने जमकर नारेबाजी की। कटोरा लेकर किया गया यह प्रदर्शन पंचायतों की बदहाल आर्थिक स्थिति का प्रतीक बन गया। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि गांवों के विकास की जिम्मेदारी पंचायतों को दी गई है, लेकिन जब काम कराने के बाद भुगतान ही नहीं मिलेगा तो विकास कार्य कैसे आगे बढ़ेंगे?

तिरंगा चौक पर तालपट्टी बिछाकर सड़क पर बैठे सरपंच

तिरंगा चौक पहुंचते ही आंदोलन ने उग्र रूप ले लिया। सरपंच संघ के पदाधिकारियों और सदस्यों ने चौक पर तालपट्टी बिछाकर सड़क पर ही मोर्चा खोल दिया। करीब 15 से 20 मिनट तक चक्काजाम कर शासन-प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की गई। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने कटोरे लेकर प्रतीकात्मक रूप से भीख मांगी और पंचायतों की आर्थिक बदहाली को लेकर अपना आक्रोश जताया। चक्काजाम के चलते चौक पर आवागमन भी प्रभावित हुआ। जनप्रतिनिधियों ने दो टूक कहा कि पंचायतों को जिम्मेदारियां तो लगातार सौंपी जा रही हैं, लेकिन उन जिम्मेदारियों को निभाने के लिए जरूरी राशि नहीं दी जा रही।

30 करोड़ के काम पूरे, आठ महीने से भुगतान की राह देख रहीं पंचायतें

जिला सरपंच संघ के अनुसार जिले की ग्राम पंचायतों में मनरेगा के तहत करीब 30 करोड़ रुपये के कार्य कराए जा चुके हैं, लेकिन मजदूरी और सामग्री का भुगतान लगभग आठ महीने से लंबित है। इससे पंचायतों की आर्थिक स्थिति बिगड़ती जा रही है और विकास गतिविधियां प्रभावित हो रही हैं। संघ ने बताया कि मूलभूत सुविधाओं और 16वें वित्त आयोग की राशि भी जारी नहीं होने से पंचायतों के सामने गंभीर आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। वहीं मूल्यांकन एवं सत्यापन पूरा होने के बावजूद कई निर्माण कार्यों का भुगतान पांच से छह महीने से अटका हुआ है। उपसरपंचों और पंचों का मानदेय भी अब तक नहीं मिला है।

कटोरा लेकर सड़क पर उतरने की नौबत क्यों आई?

सरपंच संघ ने शासन के सामने कई प्रमुख मांगें रखीं। इनमें मनरेगा की लंबित मजदूरी एवं सामग्री की राशि तत्काल जारी करना, मूलभूत और 16वें वित्त आयोग की राशि उपलब्ध कराना, पंचायत कर्मचारियों का भुगतान सुनिश्चित करना तथा उपसरपंचों एवं पंचों का बकाया मानदेय जारी करना शामिल है। इसके साथ ही मूल्यांकन और सत्यापन पूरा हो चुके निर्माण कार्यों की राशि जारी करने तथा लंबित फाइलों का शीघ्र निराकरण करने की मांग उठाई गई।

इण्डियन ओवरसीज़ बैंक भोरिंग शाखा

वाहन विक्रय हेतु निविदा आमंत्रण सूचना

इंडियन ओवरसीज बैंक, के **भोरिंग शाखा** द्वारा अधिग्रहित चल संपत्ति (वाहन) की जो है जहाँ है, जैसा भी है के आधार पर नीलामी खुली बोली प्रक्रिया द्वारा की जावेगी। इच्छुक व्यक्ति धरोहर राशि का मांग ड्राफ्ट/बैंकर्स चैक जो **भोरिंग शाखा** के पक्ष में देय हो, प्रस्तुत कर नीलामी में भाग ले सकते हैं।
धरोहर राशि जमा करने की तिथि एवं समय : 06.11.2026, दोपहर 3.30 बजे तक।
नीलामी की तिथि एवं स्थान : 07.11.2026, दोपहर 4.00 बजे, शाखा परिसर।

क्र.	ऋणी का नाम व खाता क्रमांक	वाहन का विवरण	बकाया राशि / आरक्षित मूल्य (12%जीएसटी सहित)	विस्तृत जानकारी हेतु संपर्क करें
1	श्री जयंत चंद्राकर खाता क्र. 3388034 52000011	मॉडल: स्कोडा रेपिड एम्बिशन पंजीयन क्र.: CG-06 GN-9993 रंग : केंडी व्हाइट चेसिस क्र.: TMBBVDNA9JG102313 इंजन क्र.: CWX187822	रु. 4,72,482/- दिनांक 02.09.2026 को / रु. 3,02,400/-	श्री चंचल कुमार शाखा प्रबंधक भोरिंग शाखा, मो. 7305953388 7549131540

नीलामी में भाग ले रहे व्यक्ति को जमानत के तौर पर वाहन के मूल्य का 10%, नगद या डिमांड ड्राफ्ट के रूप में (इंडियन ओवरसीज बैंक, निविदा अकाउंट के पक्ष में) एक बंद लिफाफे के अंदर नीलामी के दिन के 12.00 बजे से पहले **भोरिंग शाखा, भोरिंग मेन रोड, ग्राम - भोरिंग, जिला-महासमुंद (छ.ग.)** में जमा करना पड़ेगा। नीलामी में विजित व्यक्ति को नीलामी के मूल्य के 25% तुरंत जमा करना पड़ेगा। बकाया राशि को नीलामी के दिन से 7 दिन के अंदर जमा करना पड़ेगा। अगर वे 7 दिन के अंदर बकाया राशि जमा नहीं कर पाये, पहले से जमा राशि उन्हें वापिस नहीं किया जायेगा और वाहन के ऊपर भी उनका कोई अधिकार नहीं रहेगा। जो व्यक्ति नीलामी में जीते, उनको आर.टी.ओ. में नामांतरण और अन्य संबंधी खर्च स्वयं करना पड़ेगा। जिन्हें वाहन के बारे में जांच-पड़ताल करनी है वे कार्यालयीन अवधि में ऊपर उल्लेखित दूरभाष नंबर पर संपर्क करें।
स्थान : रायपुर, दिनांक : 02.11.2026 **शाखा प्रबंधक**

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

रायपुर, मंगलवार 03 नवम्बर 2026

अवैध शराब और जुआ के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई, 7 आरोपी पकड़े गए

कबीरधाम। जिले में अवैध शराब के परिवहन और बिक्री के साथ जुआ गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस ने अलग-अलग थाना क्षेत्रों में कार्रवाई करते हुए कुल सात आरोपियों को पकड़ा है। पांडातराई पुलिस ने दो अलग-अलग आबकारी मामलों में तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर 8.820 बल्क लीटर देशी शराब, एक मोटरसाइकिल और बिक्री की रकम सहित कुल 16,120 रुपये की संपत्ति जब्त की है। वहीं सिटी कोतवाली कवर्धा पुलिस ने एक शराब विक्रेता और पंडरिया पुलिस ने जुआ खेलते चार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की है।

राज्योत्सव 2026 में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे का आकर्षक प्रदर्शनी स्टॉल बना लोगों के लिए प्रमुख आकर्षण

■ 'हमर रेलवे, हमर छत्तीसगढ़' थीम पर आधारित स्टॉल में रेलवे की उपलब्धियों, आधुनिक तकनीक, विकास परियोजनाओं एवं यात्री सुविधाओं का अनूठा संगम



रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ राज्य के 26वें स्थापना दिवस के अवसर पर अटल नगर, नवा रायपुर स्थित राज्योत्सव मैदान में 01 से 03 नवंबर 2026 तक आयोजित 'राज्योत्सव-2026' में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे का प्रदर्शनी स्टॉल लोगों के लिए प्रमुख आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। इस वर्ष आयोजित राज्योत्सव में छत्तीसगढ़ शासन के विभिन्न विभागों के साथ-साथ सार्वजनिक क्षेत्र के प्रतिष्ठित उपक्रमों एनटीपीसी, एसईसीएल, सेल, बीएसएनएल सहित अनेक संस्थानों द्वारा अपनी उपलब्धियों एवं गतिविधियों को प्रदर्शित करने के लिए आकर्षक स्टॉल लगाए गए हैं। इसी क्रम में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा 'हमर रेलवे, हमर छत्तीसगढ़' थीम पर आधारित एक विशेष प्रदर्शनी स्टॉल तैयार किया गया है, जहां रेलवे की विकास यात्रा, उपलब्धियों, आधुनिक तकनीक और भविष्य की योजनाओं को रोचक एवं तकनीक आधारित माध्यमों से प्रस्तुत किया जा रहा है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के इस स्टॉल में आकर्षक बैकलिट पैनल्स के माध्यम से रेलवे की प्रमुख उपलब्धियों, अधोसंरचना विकास, नई रेल लाइन परियोजनाओं, पूर्ण हो चुकी परियोजनाओं एवं वर्तमान में प्रगतिरत परियोजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदर्शित की गई है। वहीं, स्टॉल में स्थापित आरएस वॉल्व सिमुलेटर आगंतुकों के लिए विशेष आकर्षण बना हुआ है। इसके माध्यम से बच्चे, युवा एवं अन्य आगंतुक ट्रेन के इंजन के संचालन का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त कर रहे हैं। यह अनुभव उन्हें रेल परिचालन की तकनीकी कार्यप्रणाली को करीब से समझने का अवसर प्रदान कर रहा है।

रायपुर रेलवे स्टेशन पर जारी मेजर रि-डेवलपमेंट कार्य तथा पुनर्विकास के बाद स्टेशन के प्रस्तावित आधुनिक एवं भव्य स्वरूप को दर्शाता आकर्षक मॉडल भी लोगों का ध्यान आकर्षित कर रहा है। इसके साथ ही एक बड़ी स्क्रीन पर रायपुर स्टेशन के पुनर्विकास कार्य की वॉक-थ्रू फिल्म प्रदर्शित की जा रही है, जिसके माध्यम से आगंतुक स्टेशन के भावी स्वरूप एवं आधुनिक यात्री सुविधाओं की झलक देख पा रहे हैं।

स्टॉल के प्रवेश द्वार पर लगाई गई बड़ी डिजिटल स्क्रीन पर रेलवे से संबंधित रोचक क्विज आयोजित किया जा रहा है। इसमें विशेष रूप से बच्चों एवं युवाओं की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखने को मिल रही है। क्विज के माध्यम से वे भारतीय रेलवे एवं दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से संबंधित अपने ज्ञान को बढ़ा रहे हैं। इसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत भी किया जा रहा है।

बच्चों एवं युवाओं के मनोरंजन और तकनीक से जुड़ाव को ध्यान में रखते हुए स्टॉल में विशेष वीआर गेम जोन भी बनाया गया है। इसके अतिरिक्त, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के अंतर्गत छत्तीसगढ़ राज्य में पुनर्विकास का कार्य पूर्ण कर चुके रेलवे स्टेशनों की आकर्षक पृष्ठभूमि के साथ सेल्फी लेने तथा तत्काल उसका प्रिंट प्राप्त करने की सुविधा आगंतुकों को एक नया और यादगार अनुभव प्रदान कर रही है।

रायपुर में आज होगा आर्टेमिस शांति हॉस्पिटल का भव्य शुभारंभ

■ केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह होंगे मुख्य अतिथि



रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर के लिए आज का दिन ख़ास है। आर्टेमिस हॉस्पिटल्स का नया अस्पताल, आर्टेमिस शांति हॉस्पिटल, आज से शहर के लोगों की सेवा के लिए अपने दरवाज़े खोल रहा है। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह मुख्य अतिथि के रूप में अस्पताल का उद्घाटन करेंगे। समारोह 3 बजे पंडरी रोड पर स्थित अस्पताल में होगा। अब तक रायपुर और छत्तीसगढ़ के कई परिवारों को गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए दिल्ली, मुंबई या हैदराबाद जैसे बड़े शहरों का रुख़ करना पड़ता था - घर से दूर, ज़्यादा खर्च और लंबा इंतज़ार। आर्टेमिस शांति हॉस्पिटल इसी दूरी को कम करने के लिए शुरू किया गया है। 300 बेड वाले इस अस्पताल में प्रमुख विभाग - जैसे कार्डियोलॉजी, न्यूरोसाइंसेज़, ऑन्कोलॉजी, ऑर्थोपेडिक्स, क्रिटिकल केयर जैसी सुपर-स्पेशियलिटी सेवाएँ, आधुनिक ऑपरेशन थिएटर, जाँच की नई सुविधाएँ और 24 घंटे इमरजेंसी सेवा मिलेगी। अनुभवी डॉक्टरों और नर्सिंग टीम की कोशिश यही रहेगी कि हर मरीज़ को अच्छा इलाज भी मिले और अपनापन भी। उद्घाटन में जनप्रतिनिधि, शहर के जाने-माने डॉक्टर और रायपुर के कई गणमान्य नागरिक भी मौजूद रहेंगे।

आर्टेमिस हॉस्पिटल्स के बारे में

गुरुग्राम स्थित आर्टेमिस हॉस्पिटल्स देश के जाने-माने मल्टी-सुपर-स्पेशियलिटी अस्पतालों में से एक है, जिसे JCI और NABH की मान्यता मिली है। मरीज़ की देखभाल को हमेशा सबसे आगे रखने वाला आर्टेमिस समूह अब आर्टेमिस शांति हॉस्पिटल के ज़रिए छत्तीसगढ़ के लोगों के और करीब आ रहा है।

एनआईटी रायपुर का 17वां दीक्षांत समारोह आज, 1,364 विद्यार्थियों को मिलेंगी उपाधियां

■ केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी होंगे मुख्य अतिथि; मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और सीएसआईआर महानिदेशक डॉ. एन. कलाईसेल्वी की रहेगी उपस्थिति

रायपुर (विश्व परिवार)। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) रायपुर का 17वां दीक्षांत समारोह 3 नवंबर 2026 को पंडित दीनदयाल उपाध्याय सभागार, रायपुर में आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर संस्थान के 1,364 विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की जाएंगी। समारोह में केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री श्री जी. किशन रेड्डी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय सम्माननीय अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। रायपुर के सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल तथा वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) की महानिदेशक एवं भारत सरकार के वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सचिव डॉ. (श्रीमती) एन. कलाईसेल्वी विशिष्ट अतिथि के रूप में समारोह में शामिल होंगी।

दीक्षांत समारोह में उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में बी.टेक. एवं बी.आर्क. के 976, मास्टर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशंस (एमसीए), मास्टर ऑफ साइंस (एम.एससी.) एवं मास्टर ऑफ टेक्नोलॉजी (एम.टेक.) के 283 तथा पीएच.डी. के 105 शोधार्थी शामिल हैं। इस अवसर पर कुल 51 पदक प्रदान किए जाएंगे, जिनमें 25 स्वर्ण और 25 रजत पदक शामिल हैं। बी.टेक. एवं बी.आर्क. के विद्यार्थियों को 12 स्वर्ण एवं 12 रजत पदक तथा एमसीए, एम.एससी. एवं एम.टेक. के विद्यार्थियों को 13 स्वर्ण एवं 13 रजत पदक प्रदान किए जाएंगे। संस्थान का ओवरऑल टॉपर पुरस्कार बी.टेक. कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग की छात्रा सुश्री आत्मिका गंगेले को प्रदान किया जाएगा।

दीक्षांत समारोह के अवसर पर एनआईटी रायपुर के हीरा हॉल में सात उत्कृष्टता केंद्रों का भी उद्घाटन किया जाएगा। केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री श्री जी. किशन रेड्डी इन केंद्रों का शुभारंभ करेंगे। इन सात केंद्रों में मेइटी इंडिया एआई छत्तीसगढ़ उत्कृष्टता केंद्र क्रिटिकल मिनरल्स उत्कृष्टता केंद्र कम्प्यूटेशनल मैकेनिक्स उत्कृष्टता केंद्र अंतरिक्ष एवं अंतरग्रहीय अन्वेषण केंद्र मैराल ग्रामीण एवं जनजातीय स्वास्थ्य नवाचार केंद्र एयरोस्पेस एवं स्वायत्त प्रौद्योगिकी उत्कृष्टता केंद्र तथा नैनोविज्ञान एवं सतत ऊर्जा प्रौद्योगिकी केंद्र शामिल हैं।

नेशनल स्टील एंड पावर एक्सपो: रायपुर में भाग लेने वाले पात्र उद्योगों को मिलेगी 80,000 तक की MSME सब्सिडी



रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर के साइंस कॉलेज ग्राउंड में आगामी 27 से 30 नवंबर 2026 तक आयोजित होने जा रहे 16वें वर्ष के चार दिवसीय नेशनल एक्सपो (स्टील एंड पावर) को भारत सरकार के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय से स्वीकृति प्राप्त हुई है।

यह एक्सपो स्टील उद्योग, स्पंज आयरन प्लांट, री-रोलिंग मिल, सीमेंट फैक्ट्री, भारी एवं हल्के उद्योगों सहित विभिन्न औद्योगिक एवं इंजीनियरिंग उत्पादों के निर्माता, सप्लायर और सेवा प्रदाताओं के लिए एक महत्वपूर्ण व्यावसायिक मंच है।

वर्ष 2009 से लगातार आयोजित हो रहा यह एक्सपो रायपुर एवं छत्तीसगढ़ के औद्योगिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। इस आयोजन के माध्यम से उद्योगों को नई तकनीक, ऑटोमेशन, पर्यावरण संरक्षण, आधुनिक मशीनरी एवं औद्योगिक विकास से संबंधित नवीनतम समाधानों की जानकारी और प्रदर्शन का अवसर मिलता रहा है।

पात्र MSME इकाइयों को 80,000 रुपए तक की सब्सिडी

भारत सरकार के MSME मंत्रालय द्वारा स्वीकृत प्रदर्शनियों में भाग लेने वाली पात्र सूक्ष्म एवं लघु उद्योग इकाइयों को 80,000 रुपए तक की वित्तीय सहायता (सब्सिडी) प्रदान की जाती है। यह सहायता संबंधित MSME योजना के दिशा-निर्देशों एवं पात्रता शर्तों के अधीन होगी।

इसका लाभ लेने के लिए उद्योगों का वैध उद्यम रजिस्ट्रेशन होना आवश्यक है तथा इकाई सूक्ष्म अथवा लघु श्रेणी में पंजीकृत होनी चाहिए।

निम्नलिखित औद्योगिक श्रेणियों की इकाइयां इस योजना के अंतर्गत लाभ प्राप्त करने हेतु पात्र हो सकती हैं: औद्योगिक उत्पाद, इलेक्ट्रिकल - औद्योगिक एवं घरेलू उपकरण, हैंड टूल्स एवं मशीन टूल्स, सोलर एवं नवीकरणीय ऊर्जा, पीईबी (प्री-इंजीनियर्ड बिल्डिंग), आईटी सॉफ्टवेयर एवं हार्डवेयर, इंडस्ट्रियल ऑटोमेशन, लुब्रिकेंट्स, वाटर ट्रीटमेंट, प्रदूषण नियंत्रण उपकरण, प्रिंटिंग एवं पैकेजिंग, इलेक्ट्रिक वाहन, प्लांट एवं मशीनरी उपकरण।

पात्र MSME इकाइयां संबंधित योजना के प्रावधानों के अनुसार एक वित्तीय वर्ष में अधिकतम दो बार इस सहायता का लाभ ले सकती हैं। सब्सिडी की राशि आयोजन के पश्चात आवश्यक दस्तावेजों एवं दावों के सत्यापन की प्रक्रिया पूरी होने पर सीधे लाभार्थी इकाई के बैंक खाते में जमा की जाती है। इसमें सामान्यतः लगभग 3 से 4 माह का समय लग सकता है।

अनियमित कर्मचारियों को नौकरी से निकालने की साजिश बर्दाश्त नहीं: विकास उपाध्याय

■ सरकार का कर्मचारी विरोधी चेहरा बेनकाब



रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ में अनियमित कर्मचारियों को नौकरी से बाहर करने की तैयारी को लेकर पूर्व विधायक विकास उपाध्याय ने राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि सरकार की यह कथित कार्रवाई हजारों परिवारों के साथ अन्याय और उनके भविष्य के साथ क्रूर खिलवाड़ है।

विकास उपाध्याय ने कहा कि यह कैसी सरकार है, जो रोजगार देने के नाम पर सत्ता में आती है और अब वर्षों से सेवा दे रहे कर्मचारियों की रोजी-रोटी छीनने पर आमादा है? क्या सरकार की संवेदनाएं पूरी तरह मर चुकी हैं?

अनियमित कर्मचारी वर्षों से शासन-प्रशासन की जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहे हैं। विभागों में काम का बोझ उठाने वाले इन कर्मचारियों ने अपनी मेहनत और सेवाओं से व्यवस्था को चलाया है। आज उन्हीं कर्मचारियों को बाहर का रास्ता दिखाने की तैयारी करना सरकार की कृतघ्नता और कर्मचारी विरोधी सोच का प्रमाण है।

उपाध्याय ने कहा कि लोक निर्माण मंत्री अरुण साव जी दैनिक वेतन भोगियो को चुन चुन कर निकालना बन्द करे, कांग्रेस सरकार में लोनिवि के दैनिक श्रमिको का मैं नियमितिकरण नही करवा पाया उसका खेद है पर कांग्रेस सरकार में किसी की दैनिक वेतन भोगी की छटनी भी नही की इसका गर्व भी है बल्कि 4 हजार अतिरिक्त मासिक भुगतान की व्यवस्था करवाई, जिसे वर्तमान 100: लोनिवि मंत्री लागू भी नही कर पाए। वर्ष 2018 के अंत मे कांग्रेस की सरकार बनी वर्ष 2019 व 2020 में कोविड रहा, उसके बाद कांग्रेस के कार्यकाल में कुछ छत्तीसगढ़िया एसटी, एससी, ओबीसी सामान्य वर्ग के जरूरतमंद लोगों को दैनिक वेतन भोगी के रूप में कार्य मे रखा गया। पिछली सरकार ने 57 विभागों के 50 हजार ऐसे दैनिक वेतन भोगियों के लिए बाकायदा 4 हजार मासिक श्रम सम्मान का 240 करोड़ वार्षिक का बजट प्रवधान किया जो आज भी जारी है उसका 100 प्रतिशत लाभ तो 6437 श्रमिको को लोक निर्माण मंत्री दिलवा नहीं पा रहे है, छटनी में कांग्रेस-भाजपा का अघोषित मापदंड अपना रहे हैं, जबकि सम्पूर्ण सत्यता यही है।

सङ्कू में पुष्पदंत जिनालय का वेदी शिलान्यास कार्यक्रम संपन्न



रायपुर (विश्व परिवार)। सङ्कू स्थित श्री 1008 पुष्पदंत भगवान जिनालय में वेदी शिलान्यास का भव्य कार्यक्रम पूज्य मुनि श्री आगम सागर जी एवं ऐलक स्वागत सागर जी के सानिध्य में आज प्रातः काल की बेला में संपन्न हुआ। श्री मनीष सोनल जैन, श्री विकास जैन सङ्कू श्री रजनीश जैन टैगोर नगर श्री कुलदीप सिंघई, डॉ, राहुल जैन श्री संजय शिल्पा जैन लाभांडी डॉ अमित नेहा जैन श्री विपिन जैन अमलतास श्री राजेश माधुरी जैन श्री महेंद्र निशांत बांझल, श्री अरविंद बड़जात्या फाफाडीह श्री बंशीलाल जैन ने वेदी शिलान्यास में शिला स्थापना की । श्री प्रदीप जैन प्रसंग जैन विश्व परिवार ने अचल यंत्र वेदिका शिलान्यास में स्थापित किया ।

श्री राजीव जैन फूड फ्लक्स ने सभी का आभार प्रदर्शन एवं संचालन श्री राजेश रजजन ने किया । इस अवसर पर शक्ल दिगंबर जैन समाज रायपुर के अध्यक्ष श्री संजय नायक नवीन मोदी नरेश सिंघई डीडी नगर आदि उपस्थित रहे द्य पंडित संजय जैन जी द्वारा विधिपूर्वक कर संपन्न कराने में योगदान दिया गया।











प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा आसमां पब्लिसर्स इंडिया प्रा.लि. पंजाब नेशनल बैंक के सामने, जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354